जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 3 जनवरी, 2026

2026 में
आप सुपर-मार्केट नहीं जाएंगे
सुपर-मार्केट आप तक आएगा
वो भी 4 पहियों पर

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

OKEDIA™
Pavitra

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती राइस
- एलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- तिल का तेल
- मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- गुड़ पाउडर
- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

धन उत्तम कर्मों से उत्पन्न होता है, प्रगल्भता (साहस, योग्यता व दृढ़ निश्चय) से बढ़ता है, चतुराई से फलता फूलता है और संयम से सुरक्षित होता है।

–विदुर

राजस्थान में खाद्य पदार्थों में मिलावट: एक गंभीर सामाजिक चुनौती

राजस्थान की पहचान अपने समृद्ध सांस्कृतिक वैभव, पारंपरिक स्वाद और विशिष्ट खानपान के लिए जानी जाती है। यहाँ का 'दाल-बाटी-चूरमा', 'घेवर', 'प्याज कचौरी' और 'मिर्ची बड़ा' न केवल स्थानीय जीवन का हिस्सा हैं बल्कि राजस्थान की आतिथ्य संस्कृति का प्रतीक भी हैं। मगर दुख की बात है कि जिन खाद्य परंपराओं पर प्रदेश को गर्व रहा है, आज वे ही मिलावट की मार झेल रही हैं। खुले बाजारों और त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट अब सामान्य सी बात हो गई है, जो न केवल उपभोक्ता के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि यह समाज के नैतिक ढाँचे को भी कमजोर करती है।

मिलावट केवल दूध, घी या मसालों तक सीमित नहीं रही। आज यह खाद्य श्रृंखला के लगभग हर हिस्से में प्रवेश कर चुकी है। दूध में सिंथेटिक पदार्थ, मिठाइयों में कृत्रिम रंग और एसेंस, दालों में पत्थर और पॉलिशिंग के रसायन, तेल में खतरनाक औद्योगिक मिश्रण और मसालों में अशुद्ध रासायनिक तत्व मिलाए जा रहे हैं। यह स्थिति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक छिपी हुई महामारी के समान है - जो धीरे-धीरे हर आयु वर्ग को प्रभावित कर रही है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों से लेकर जयपुर, जोधपुर, कोटा जैसे शहरी केंद्रों तक, बाजारों में मिलावटी खाद्य सामग्री की उपलब्धता आम नागरिक के स्वास्थ्य पर सीधा प्रहार कर रही है।

मिलावट के पीछे कई कारक कार्यरत हैं। सबसे प्रमुख कारण है व्यापारिक लाभ की लालसा। सस्ता माल दिखाकर अधिक लाभ कमाने की प्रवृत्ति अनेक छोटे-बड़े व्यापारियों में गहरी जड़ें जमा चुकी है। दूसरा बड़ा कारण है निगरानी और प्रवर्तन की सीमित क्षमता। राज्य सरकार के पास खाद्य निरीक्षकों की संख्या अभी भी इतनी नहीं है कि वह हर जिले व हर मंडी स्तर पर कठोर निगरानी रख सके। तीसरी वजह है आम नागरिक का जागरूक न होना। बहुत बार उपभोक्ता केवल कीमत देखकर वस्तु खरीद लेता है, गुणवत्ता की जांच पर ध्यान नहीं देता। यह उपभोक्ताओं की असावधानी उन मिलावटखोरों को बढ़ावा देती है, जो जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने में संकोच नहीं करते।

त्योहारी सीजन में तो स्थिति और अधिक चिंताजनक हो जाती है। दीपावली, होली, तीज, गणगौर जैसे अवसरों पर जब मिठाई और नमकीन की खपत कई गुना बढ़ जाती है, तो मुनाफाखोर तत्व नकली दूध, सिंथेटिक मावा और रासायनिक रंगों का प्रयोग करके हजारों टन मिठाइयाँ बाजार में उतारते हैं। स्वास्थ्य विभाग अक्सर ऐसी सामग्रियों के सैंपल तो लेता है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया की जटिलता और न्यायिक देरी के कारण अपराधियों पर कठोर दंड नहीं हो पाता। यही ढीलाई इस अपराध को स्थायी रूप से समाप्त होने से रोकती है।

राजस्थान सरकार ने इस दिशा में कई प्रयास किए हैं। 'राजस्थान राज्य खाद्य एवं औषध प्रशासन' समय-समय पर अभियान चलाकर नमूने एकत्र करता है और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई करता है। 'मिशन मिलावट मुक्त राजस्थान' के अंतर्गत हाल के वर्षों में अनेक छापेमारी अभियान चलाए गए हैं। जयपुर, कोटा, अजमेर और उदयपुर में नकली घी एवं मावा बनाने वाली कई फैक्टरियों को बंद कराया गया। सरकार ने 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' जैसी मोबाइल यूनिटें भी शुरू की हैं, जो ग्रामीण इलाकों में जाकर खाद्य नमूनों की प्राथमिक जांच करती हैं। इन पहलों से कुछ सुधार हुआ है, परंतु समस्या की जड़ें अभी भी गहरी हैं।

जहाँ धन की लालसा मानवीय करुणा और जिम्मेदारी पर भारी पड़ती जा रही है। हमें व्यापार में 'लाभ' की जगह 'लाभकारी नैतिकता' की संस्कृति विकसित करनी होगी। राजस्थान जैसे सांस्कृतिक प्रदेश में, जहाँ 'सच्चाई' और 'भरोसे' की परंपरा जीवन का हिस्सा रही है, मिलावट का फैलाव हमारे सामूहिक चरित्र पर प्रश्नचिह्न है। इस अभिशाप से मुक्ति तभी मिलेगी जब सरकार सख्त कानून बनाए, प्रशासन ईमानदारी से उसे लागू करे और जनता सजग उपभोक्ता बनकर अपना अधिकार माँगे।

मिलावट नियंत्रण के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। यह एक साझा सामाजिक उत्तरदायित्व है जिसमें उपभोक्ता, व्यापारी, और प्रशासन - तीनों की सहभागिता आवश्यक है। उपभोक्ताओं को खरीदारी के समय सावधान रहना चाहिए। पैक्ड वस्तुओं की एक्सपायरी तिथि, एफएसएसएआई लोगो और निर्माता का विवरण अवश्य जांचना चाहिए। स्थानीय स्तर पर उपभोक्ता समितियों को सक्रिय बनाना और फूड टेस्टिंग कैंप आयोजित करना उपयोगी कदम हो सकते हैं। वहीं व्यापारिक संघों और मंडियों में भी स्वैच्छिक गुणवत्ता परीक्षण तंत्र विकसित किए जाने चाहिए।

मीडिया की भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब प्रेस या सोशल मीडिया पर मिलावट के मामलों का खुलासा होता है, तो समाज और प्रशासन दोनों ही सजग होते हैं। परंतु आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे खुलासे केवल सनसनी फैलाने तक न सीमित रहकर व्यवस्था सुधार की दिशा में ठोस दबाव उत्पन्न करें। लोकहित याचिकाओं और नागरिक संगठनों की सक्रियता इस संघर्ष को और प्रभावी बना सकती है।

सरकार को चाहिए कि मिलावट के मामलों को केवल 'नियम उल्लंघन' नहीं बल्कि 'आपराधिक स्वास्थ्य अपराध' की श्रेणी में लिया जाए। दोषियों को कड़ी सजा, व्यापारिक लाइसेंस की स्थायी निरस्तीकरण और भारी अर्थदंड जैसे दंडात्मक उपायों का कठोर क्रियान्वयन जरूरी है। जिला स्तर पर विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाकर इन मुकदमों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही, खाद्य प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ाई जाए ताकि जांच रिपोर्टों में विलंब न हो।

आधुनिक तकनीक भी इस लड़ाई की बड़ी सहयोगी बन सकती है। डिजिटल ट्रेसिंग, ब्लॉकचेन आधारित सप्लाई चेन ट्रैकिंग और मोबाइल टेस्टिंग किट्स का उपयोग शासन ने अब शुरू किया है, लेकिन इसे व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। स्कूलों और कॉलेजों में मिलावट विरोधी जनजागरण अभियान चलाया जाए ताकि युवा पीढ़ी संवेदनशील बने और वह गुणवत्ता को लेकर समझदार उपभोक्ता के रूप में उभरे।

इस समस्या का एक सामाजिक पक्ष भी है, जो केवल नियम-कानून से नहीं सुलझता। मिलावट हमारे समाज में नैतिक पतन की निशानी है

जहाँ धन की लालसा मानवीय करुणा और जिम्मेदारी पर भारी पड़ती जा रही है। जब एक दुकानदार यह भूल जाता है कि उसके द्वारा बेचा गया नकली दूध किसी बच्चे के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचा सकता है, तब यह केवल कानून का मामला नहीं, बल्कि समाज की अंतरात्मा से जुड़ा सवाल बन जाता है। हमें व्यापार में 'लाभ' की जगह 'लाभकारी नैतिकता' की संस्कृति विकसित करनी होगी।

राजस्थान जैसे सांस्कृतिक प्रदेश में, जहाँ 'सच्चाई' और 'भरोसे' की परंपरा जीवन का हिस्सा रही है, मिलावट का फैलाव हमारे सामूहिक चरित्र पर प्रश्नचिह्न है। इस अभिशाप से मुक्ति तभी मिलेगी जब सरकार सख्त कानून बनाए, प्रशासन ईमानदारी से उसे लागू करे और जनता सजग उपभोक्ता बनकर अपना अधिकार माँगे।

मिलावट के विरुद्ध संघर्ष लंबा है, लेकिन असंभव नहीं। यदि हर नागरिक यह निश्चय कर ले कि वह गुणवत्ता से समझौता नहीं करेगा चाहे कीमत थोड़ी अधिक क्यों न देनी पड़े तो बाजार अपने आप सुधर जाएगा। अंततः, मिलावट मुक्त राजस्थान कोई सरकारी नारा नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प होना चाहिए जो हर घर, हर रसोई और हर व्यापारी की चेतना का हिस्सा बने।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

कभी-कभी, कितने असहाय से लगते हैं देश के शासक, रहनुमा लोग----

महावीर सिंह

रहनुमाओं की अदाओं पे फ़िदा है दुनिया,
इस बहकती हुई दुनिया को संभालो यारो
- दुष्यंत कुमार

अभी-अभी 9 दिसंबर को त्रिपुरा के एक नौजवान होनहार छात्र एंजेल चकमा की, उत्तराखंड में की गई नृशंस हत्या पर किरण रिजिजू केंद्रीय मंत्री में कुछ इस प्रकार की भावनाएं व्यक्त की ---- ऐसी घटनाएं चाहे कहीं भी हो वे निंदनीय है और सब को मिल कर उनकी निंदा करनी चाहिए। इसे एक समाचार मात्र नहीं मानना चाहिए। बहुत से ऐसे जिन्हें बोलना चाहिए था, सदा की तरह खामोश रहे।

सुनिए मंत्री जी ----10 दिसंबर को शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं, 12 दिसंबर को हल्की सी, जानलेवा हमले वाली एफआईआर दर्ज हुई, हत्या की धारा तो जुड़ी 26 दिसंबर को, उस की मृत्यु के बाद -- और सुनें मंत्री जी ---- उसे चाइनी, मोमोज जैसी नस्लीय गालियां दी गई।

लगता है, प्रारंभ में यह सब आपको, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को सत्य से परे लगा होगा या सत्य से वाकिफ होते हुए भी आंखे मूंदे रखी होंगी क्योंकि सत्ता के लिए सत्य से मुंह भी फेर लिया जाता है किंतु सत्ता से परे भी सत्य होता है, जो लाख प्रयासों के बावजूद छुपता नहीं।

क्या कोई आमदमी इस पर विश्वास करेगा कि आप दोनों को और अन्य समस्त बड़े-बड़े सत्तासीन रहनुमाओं को 20 दिन से अधिक का समय लगा यह जानने में की नस्लीय आधार पर एक होनहार युवक को इतना पीटा कि उसकी मृत्यु हो गईं? वह भी उतर पूर्व के एक बेहद संवेदनशील राज्य के युवक की।

सत्तासीन रहनुमाओं, कोई भी देशप्रेमी भारतीय नागरिक आप रहनुमाओं के आंसुओं वाली (असली थी या - नकली थी, भगवान जाने!!!) भावनाओं से सहमत होगा किंतु --- यह कोई इकलौती घटना भी तो नहीं-

भारत दुनिया भर में फैले हिंदुओं की चिंता करता है। किसी भी दूसरे देश में हिंदुओं की हत्या, नस्लीय दुर्व्यवहार, पर भारत कड़ा विरोध करता है। यह सब हमारे यहां की प्रेस, मीडिया जनता को समझाता रहता है; सरकार राष्ट्रवादी है! देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की मॉब लिंचिंग पर सन्नाटा क्यों पसरा था? क्या देश के नागरिकों की देश में ही गौ रक्षा, जाति-धर्म के आधार पर निजी या कई संगठनों के आपराधिक गिरोहों द्वारा सार्वजनिक रूप से हत्याओं पर चुप्पी राष्ट्रवाद की नई परिभाषा है ???

और सुने ---- अभी अभी गाजियाबाद में, हिंदू रक्षक सेना ने घर-घर जाकर तलवार फरसे बांटे हैं --- - कहा बताया, यदि किसी ओर देश जैसी स्थिति यहां आए तो उन--- काट दो --- क्या किसी अखबार, मीडिया में प्रमुखता से पढ़ने-सुनने को मिला!!!!

100 प्रतिशत सत्य, बंगला देश में कई हिंदूओं की नृशंस हत्या हुई है। धार्मिक उन्माद से किसी की भी हत्या होती है वह भर्त्सनिय है। ऐसी हत्या भारत में हो, बंगला देश में हो या किसी भी अन्य देश में हो उसकी हर व्यक्ति द्वारा कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

देश के विभिन्न हिस्सों में मुसलमानों की मॉब लिंचिंग (भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या) हुई है। अपने ही देश के,कई प्रदेशों में, अन्य प्रदेशों से आए लोगों पर नस्लीय टिप्पणियां, हमले होते रहते हैं, दलित लोगों को मूत्र आदि पिलाया जाता है। इन सब पर सुविधाजनक चुप्पी राष्ट्रवाद नहीं पाखंडवाद है।

हमारे यहां जाति, धर्म, क्षेत्र को आधार बनाकर कुछ हत्याओं और भयंकर निंदनीय घटनाओं को उदाहरण स्वरूप लिख रहा हूं:----

पिछले कुछ वर्षों में भारत में दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ मॉब लिंचिंग की कई घटनाएँ दर्ज हुई हैं, जो अक्सर गौ-रक्षा या जातिगत विवादों से जुड़ी रही हैं। ये घटनाएँ मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, झारखंड और अन्य राज्यों में हुईं। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, 2015 के दादरी मामले के बाद से 70 प्रतिशत नफरत अपराधों में दलित पीड़ित थे, जिसमें लिंचिंग शामिल हैं। 2016 में ऊना में चार दलित युवकों को गौ-रक्षकों द्वारा मृत गाय की खाल उतारने के संदेह में पीटा गया।

2017 में बुलंदशहर में एक दलित व्यक्ति को गौ-हत्या के संदेह में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। 2018 में अलवर में रकबर खान को मुख्य रूप से गौ-तस्कर मान कर मार दिया। झारखंड: तब्रेज अंसारी की लिंचिंग हुई। मणिपुर में समुदाय के खिलाफ हिंसा में लिंचिंग जैसे मामले, हुए है। केरल में एक दलित प्रवासी मजदूर की लिंचिंग की गई।

2025 में सिटिजंस फॉर जस्टिस एंड पीस संस्था (सीजेपी) ने 113 जातिगत अत्याचार दर्ज किए, जिनमें लिंचिंग और हिंसा शामिल है।

सामाजिक रूप से बेइज्जत करने की इस से बड़ी घटनाएं ओर क्या होंगी जिन में जातीय आधार पर पेशाब पिलाया गया, टट्टी - विष्ठा खिलाई जाती है। उत्तर प्रदेश में सीताराम वाल्मीकि को फसल कटाई से इनकार पर पेशाब पिलाया गया। चुरू में पुरानी रंजिश में एक दलित व्यक्ति को अपहरण कर पेशाब पिलाया गया। मध्य प्रदेश में एक दलित व्यक्ति को पेशाब पिलाया गया। अजमेर नाबालिग दलित लड़के को शराब और पेशाब पिलाया। भिंड में एक दलित ड्राइवर को नौकरी छोड़ने पर पेशाब पिलाया गया। 2025 में लखनऊ में 65 वर्षीय दलित बुजुर्ग का मंदिर के पास में पेशाब लीक हुआ तो उस से पेशाब चटवाया गया। 2019 में थिन्नियम, पेन्नागराम (तमिलनाडु) में दलितों को मल खिलाया और पेशाब पिलाया गया। 2023, मध्य प्रदेश में दो युवकों को चेहरे काले कर मल खिलाया गया। केरल में एक दलित कॉलोनी के पानी में मल मिलाने की घटना हुई। 2025, मध्य प्रदेश में एक कांग्रेस नेता पर दो व्यक्तियों को जबरन मल खिलाने का आरोप लगा। टट्टी खिलाने की अत्यंत अपमानजनक घटनाएँ अक्सर जातिगत उत्पीड़न से जुड़ी।

इस प्रकार के मामलों की जानकारियां एनसीआरबी की वार्षिक रिपोर्ट्स, गूगल अथवा ग्रोक पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हैं। भारत के किसी भी धर्म के कट्टरपंथी अगर ऐसा करते है तो हर धर्म के व्यक्ति द्वारा इसकी कड़ी से कड़ी आलोचना करनी चाहिए। ऐसे मामलों में हिंदू मुसलमान कदापि नहीं होना चाहिए।

अब जरा विचार करें --- भारत में कई बड़े-बड़े सामाजिक सुधार ,सामाजिक समरसता लाने की बात करने वाले, जातिगत भेद मिटा ने की ताल ठोकने वाले संगठनो में कुछ किया??? कभी सुना इन सब ने सांप्रदायिक सद्भाव के लिए, जातिगत पूर्वग्रह समाप्त करने के लिए कोई सार्थक आंदोलन किए है?? कई बार तो आम नागरिक यह महसूस करने लगता है कि क्या ऐसे उत्पत्ति लोग यह मान कर चलते है कि इनके सिर पर सत्ता की छत्र छाया है।

नाजियों की कार्यप्रणाली से मेल खाते ढंग से कार्यवाही करने वाली विभिन्न नामों वाली सेनाएं - दल हैं जो वैकल्पिक पुलिस की भूमिका में आकर कुछ भी हिंसक, गैर कानूनी काम, हत्याएं, भय पैदा करने वाली कार्यवाही बेहिचक करते है। यह संगठन, सेनाएं क्या खाना है, क्या नहीं खाना, क्या पहनना है, क्या नहीं पहनना है, कौन सा त्योंहार मानना है कौन सा नहीं वो अन्य हास्यास्पद आदेश जाती करते है और पालना के लिए कैसी भी कार्यवाही करने लगते है। यही वैकल्पिक पुलिसिंग है। क्या इनके विरुद्ध कभी कोई तत्काल व कठोर कार्यवाही होते देखा???

कार्यवाही होती है जरूर किंतु मंथर गति से, अपराधियों को बचाव के सारे पैंतरे आजमाने का पूर्ण अवसर देते हुए।

हुक्मरानों की हुक्मरान जाने, आम आदमी मानता है कि इक्का-दुक्का अपराधिक घटनाएं तो हो सकती है, होती भी हैं किंतु मॉब लांचिंग, जातीय आधार पर मार पिटाई, मूत्र पिलाने जैसी घटनाएं तो सख्त कार्यवाही कर पुलिस, सरकार निश्चित ही रोक सकती है। नहीं रुकती हैं, इस से गलत संदेश जाता है कि कहीं पुलिस का हाथ पीछे से खींचा तो नहीं जाता?? बार-बार होती इस प्रकार की निंदनीय घटनाएं कई बार यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या यह सब एक निश्चित पैटर्न के अनुसार तो 4, 5, 6 माह के अंतराल पर रिपीट तो नहीं की जाती???? मुझे स्मरण पड़ता है कि 2014 से 2019 के बीच गुजरात में गौ रक्षकों की कुछ बहुत हरकतों पर माननीय प्रधान मंत्री जी में भी सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी। कोई असर नहीं। एक संगठन के अति आदरणीय प्रमुख भी सार्वजनिक रूप से ऐसी हरकतों पर असहमति जाहिर कर चुके है। कोई असर नहीं। इसका उदाहरण है यूपी सरकार द्वारा दादरी वाली घटना से संबंधित मुकदमें को वापिस लेने की अर्जी।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

विराटनगर : मैड कस्बे के खटीकों के मोहल्ले में दस वर्ष से पेयजल संकट

घरों में जलदाय विभाग के कनेक्शन होने के बावजूद पानी नहीं आता, जबकि विभाग द्वारा हर महीने पानी का बिल भेजा जा रहा है

पावटा, (निसं)। विराटनगर उपखण्ड क्षेत्र के मैड कस्बे के खटीकों के मोहल्ले में पिछले 10 वर्षों से पेयजल संकट झेल रही महिलाओं का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। पानी की गंभीर समस्या से परेशान महिलाओं ने शुक्रवार को मटकी फोड़कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बताया कि उनके घरों में जलदाय विभाग के कनेक्शन होने के बावजूद पानी नहीं आता, जबकि हर महीने नियमित रूप से पानी का बिल जरूर भेजा जा रहा है। कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया। गुस्साई महिलाओं ने बताया कि सरपंच के घर पहुंचकर समस्या से अवगत कराया गया तो सरपंच द्वारा 'क्या आपने मुझे वोट दिया था' कहे जाने बयान से महिलाओं में और अधिक रोष फैल गया। ग्रामीणों ने बताया कि पहले मोहल्ले में पाइपलाइन डाली गई थी, लेकिन बाद में जलदाय विभाग द्वारा उसे हटा दिया गया, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई है। वर्तमान में मोहल्ले के लोग दूर-दराज से पानी लाने को मजबूर हैं। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पानी की व्यवस्था नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्थानीय प्रशासन और जलदाय विभाग की उदासीनता पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए जल्द समाधान की मांग की है। महिलाओं ने बताया कि गांव में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था चरमरा जाने के कारण ग्रामीणों को मजबूरी में निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी जुटाना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

मोहल्ले के पुरुष और महिलाओं ने पानी की गंभीर समस्या से परेशान होकर प्रदर्शन किया।

- **पानी की गंभीर समस्या से परेशान महिलाओं ने मटकी फोड़कर प्रदर्शन किया**
- **स्थानीय प्रशासन और जलदाय विभाग की उदासीनता पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए जल्द समाधान की मांग की है**

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। मजबूरन जेब से पैसे खर्च कर टैंकरों से पानी डलवाया जा रहा है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल करने और वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि उन्हें इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। इस दौरान गुलाब खींची, ओमप्रकाश खींची, प्रहलाद खींची, गोविंद नागर, ममता खींची, हितेश खींची, आशा खींची, कमला खींची, शकुंतला नागर, लक्ष्मी नागर, सोनू नागर, मन्नी खींची सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व ग्रामीण मौजूद रहे।

सीकर जिले में 214516 व्यक्तियों ने खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा

सीकर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिये कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाये ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके।

- **गिवअप अभियान में 1046 अपात्र लोगों को नोटिस जारी किये, जिनसे वसूली की जायेगी**

जिला रसद अधिकारी सीकर विजेंद्र पाल ने बताया कि 1 नवम्बर 2024 से प्रारम्भ गिवअप अभियान में सीकर जिले में 214516 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा है। गिवअप अभियान में सीकर जिले में 1046 अपात्र लोगों को नोटिस जारी किये गये, जिनसे वसूली की कार्यवाही की जायेगी। गिव अप अभियान में अब प्रत्येक उचित मूल्य दुकान पर खाद्य विभाग के प्रवर्तन अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षक औचक निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी करेंगे। प्रत्येक प्रवर्तन अधिकारी, निरीक्षक अब रोजना उचित मूल्य दुकानों पर पहुंचकर अपात्र व्यक्तियों की उचित मूल्य दुकानदारो के सहयोग से सूची तैयार करेंगे तथा वसूली एवं नोटिस संबंधी कार्यवाही भी करेंगे। खाद्य विभाग शीघ्र ही परिवहन विभाग से चार पहिया वाहन स्वामी का डाटा संकलित कर खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी करेंगे और वसूली की कार्यवाही की जायेगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 3 जनवरी, 2026

पौष मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, शनिवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र दिन 5:28 तक, ब्रह्म योग प्रातः 9:05 तक, बव करण दिन 3:33 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज पौषी पूर्णिमा, सत्यव्रत है। माघ स्नान आरम्भ होगा। आज शाकम्भरी देवी नवरात्रा समाप्त और शाकम्भरी प्राकट्य महोत्सव है। आज जन्मदिन हजरत अली (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ दिन 3:38 से 9:56 तक, चर 12:31 से 1:49 तक, लाभ-अमृत 1:49 से 4:24 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:42

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। पारिवारिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत कारणों से मानसिक तनाव बना रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा। विवादित मामलों से बचना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कुंभ
व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 148 प्रभात अजमेर, शनिवार 3 जनवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ऐसे सलाहकारों से भगवान बचाए

प्रवीण चक्रवर्ती तमिलनाडु से राज्यसभा की सीट चाहते थे, मु.मंत्री स्टालिन ने देने से मना कर दिया तो प्रवीण कांग्रेस के सबसे पुराने और सफल गठबंधन को तोड़ने में जुट गए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जनवरी। राहुल गांधी की कोर एडवाइजरी काउंसिल ''जय जगत'' के सदस्य कांग्रेस पार्टी के सबसे मजबूत और दीर्घकालिक गठबंधन, जो द्रमुक (डीएमके) के साथ तमिलनाडु में है, को अस्थिर करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। इसके साथ ही, जय जगत ग्रुप में राहुल गांधी के वफादारों के बीच गंभीर मतभेद भी उभरकर सामने आए हैं।

यह कहानी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा पर आधारित है, न कि किसी वैचारिक ढांचे पर, यह बात कही एक वरिष्ठ नेता ने, जो राहुल गांधी के चारों ओर फैली इस अव्यवस्था से वाकिफ है।

प्रवीण चक्रवर्ती और गिरीश चोडनकर, जो तमिलनाडु के कांग्रेस प्रभारी हैं, चाहते हैं कि कांग्रेस द्रमुक के साथ अपना गठबंधन तोड़कर अभिनेता विजय की पार्टी के साथ गठबंधन करे।

- जैसा कि विदित ही है, प्रवीण चक्रवर्ती व गिरीश चोडनकर कांग्रेस की ओर से प्रभारी हैं, तमिलनाडु के।
- स्टालिन की प्रवीण चक्रवर्ती से नाराज़गी का कारण है, प्रवीण, स्टालिन की दृष्टि में विश्वासयोग्य व्यक्ति नहीं हैं। प्रवीण ने अपने एक नज़दीकी मित्र, जो डीएमके सरकार में मंत्री भी थे, के साथ हुई एक निजी बातचीत को टेप करके उजागर कर दिया था।
- मित्र, उस टेप में डीएमके के नेतृत्व को खुलकर भला-बुरा कह रहे थे। अतः, टेप सार्वजनिक होने पर मंत्री को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। स्टालिन इस धोखे व कृतघ्नता को भूलने को तैयार नहीं हैं और वे प्रवीण के साथ कोई राजनीतिक संबंध नहीं रखना चाहते।
- इसी प्रकार, कांग्रेस की वर्तमान सोच है कि अगर गठबंधन पुनः सत्ता में आता है तो कांग्रेस को सरकार में भागीदार बनना चाहिए। पर, चिदंबरम की राजनीति को यह सोच माफिक नहीं आ रहा, अतः वे कांग्रेस के सत्ता में भागीदार बनने की सख्त खिलाफत कर रहे हैं।
- तमिलनाडु में कांग्रेस की स्थिति काफी गफलत में है, सलाहकारों की अजीबोगरीब और कई बार परस्पर विरोधी सलाहों के कारण। अतः अभी कहना मुश्किल है कि कांग्रेस कैसे चुनाव लड़ेगी, तमिलनाडु में और उसका क्या परिणाम निकलेगा।

दरअसल, प्रवीण चक्रवर्ती तमिलनाडु से द्रमुक के जरिए राज्यसभा की सीट चाहते हैं, लेकिन स्टालिन इस पर बिल्कुल भी विचार करने को तैयार नहीं हैं। इसीलिए प्रवीण चक्रवर्ती यह कोशिश कर रहे है।

पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने व्यक्तिगत रूप से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कुख्यात गैंगस्टर ने खनन कारोबारी से 5 करोड़ की रंगदारी मांगी

जयपुर, 2 जनवरी। अशोक नगर थाना इलाके में कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा की गैंग के गुर्गो ने एक खनन कारोबारी को वाट्सऐप पर कॉल कर 5 करोड़ करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। जिसके बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने वाट्सऐप पर आए नंबरों के आधार पर जांच शुरु कर दी है।

एएसआई राजकुमार ने बताया कि पीड़ित सी- स्कीम निवासी खनन कारोबारी है और उसके मोबाइल पर 30 दिसम्बर को इंटरनेशल मोबाइल नंबरों से कई बार कॉल आईं। बार -बार फोन

- पुलिस ने वॉट्सऐप पर आए नंबरों के आधार पर जाँच शुरु की

आने पर पीड़ित ने कॉल रिसीव की तो अंजान युवक ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा और राहुल रिणाऊ का बदमाश बताया और गाली-गलौच करते हुए 5 करोड़ की रंगदारी मांगी। जिसके बाद बदमाश ने 31 दिसम्बर को फिर से अलग मोबाइल नंबर से कॉल किया और वॉयस नोट भी भेजे। पांच करोड़ नहीं देने पर बदमाश ने परिवार सदस्यों को भी जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अनजान इंटरनेशनल नंबरों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

इंदौर त्रासदी पर अनर्गल टिप्पणी करके फंसे कैलाश विजयवर्गीय

वरिष्ठ भाजपा नेता और वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में अनुचित शब्दों का प्रयोग किया था

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। इंदौर पानी प्रदूषण त्रासदी ने न सिर्फ वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को उनके घंटा वाले बयान के बाद बेहद शर्मनाक स्थिति में डाल दिया है, बल्कि इस घटना पर भाजपा के भीतर से ही मोहन यादव सरकार की तीखी आलोचना भी हुई है। इस हादसे में अब तक लगभग 10 लोगों की जान जा चुकी है।

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने बिना किसी लाग-लपेट के कहा कि गंदे पानी से हुई मौतों ने हमारे राज्य, हमारी सरकार और पूरी व्यवस्था को शर्मसार कर दिया है। सरकार द्वारा मुआवज़े पर ज़ोर देने को खारिज करते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने आगे कहा, मानव जीवन की कीमत दो लाख रुपये नहीं होती। इस पाप के लिए गहरे पश्चाताप की जरूरत है। नीचे से ऊपर तक जो भी दोषी है, उसे अधिकतम सज़ा मिलनी चाहिए।

विजयवर्गीय एक पत्रकार द्वारा इस मामले में पूछे गए सवालों को ''फोकट'' और ''घंटा'' कहकर खारिज करते हुए कैमरे में क़ैद हो गए, जिसके बाद वे एक भद्दे विवाद के केन्द्र में आ गए। बाद में उन्होंने माफ़ी तो माँग ली, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था और सोशल मीडिया पर उनके इस्तीफ़े की माँग तेज़ी से वायरल होने लगी।

- कैलाश विजयवर्गीय की इन टिप्पणियों का वीडियो वायरल हो गया और उन्हें भारी आलोचना झेलनी पड़ी। हालांकि, उन्होंने माफी मांगी है, पर, जो नुकसान होना था हो चुका।
- विजयवर्गीय पहले भी अटपटी टिप्पणियों के लिए विवादों में फंसते रहे हैं।
- इसी बीच इंदौर में दूषित जल से हुई मौतों पर मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार पार्टी के ही वरिष्ठ नेताओं के निशाने पर आ गई है।
- पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता उमा भारती ने कहा, दूषित जल से मौतें होना बेहद शर्मनाक है। उन्होंने इसके लिए जिम्मेवारों को कड़ी सजा देने की मांग की।

विजयवर्गीय विवादों से अनजान नहीं हैं। पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के साथ छेड़छाड़ के मामले में उनकी आलोचना हुई थी, जब उन्होंने कहा था कि खिलाड़ियों को कम कपड़ों में बाहर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीन उच्च न्यायालयों में नए चीफ जस्टिस नियुक्त, तीन अभी भी लंबित

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम द्वारा गत माह की गई सिफारिशों के आधार पर केन्द्र सरकार ने नियुक्तियाँ की हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम द्वारा पिछले महीने की गई सिफारिशों पर कार्रवाई करते हुए, केन्द्र सरकार ने शुक्रवार को दो उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को दो अन्य उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी। एक मुख्य न्यायाधीश के स्थानांतरण की भी अधिसूचना जारी की गई है।

जस्टिस सोमेन सेन, जो वर्तमान में मेघालय उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश हैं, को केरल उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया है। यह स्थानांतरण 9 जनवरी 2026, को, वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के रिटायरमेंट के बाद, प्रभावी होगा।

जस्टिस रेवती पी मोहिते डेरे, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कोलीजियम ने गत माह 18 दिसंबर को 6 उच्च न्यायालयों के लिए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए सिफारिशें भेजी थीं।
- केन्द्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर मेघालय हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सौमेन सेन को केरल हाई कोर्ट का और बॉम्बे हाई कोर्ट की जज, जस्टिस रेवती पी मोहिते डेरे को मेघालय हाई कोर्ट का और उड़ीसा हाई कोर्ट के जस्टिस संगम कुमार साहू को पटना हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त कर दिया है।
- सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई जिन तीन सिफारिशों को लंबित रखा गया है, वे हैं, इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता, जिन्हें उत्तराखंड हाई कोर्ट का, जस्टिस एम एस सोनक (बॉम्बे हाई कोर्ट), जिन्हें झारखंड हाई कोर्ट का और केरल हाई कोर्ट के जस्टिस ए एम मुश्ताक, जिन्हें सिक्किम हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की अनुशंसा की गई थी।

एक सप्ताह में 25 लाख श्रद्धालु आए मथुरा वृंदावन

मथुरा, 02 जनवरी। कान्हा की नगरी में 25 दिसंबर से अब तक में लगभग 25 लाख श्रद्धालुओं ने ब्रज के विभिन्न मंदिरों में माथा टेका है। भक्ति का यह सैलाब पिछले वर्षों के सभी रिकॉर्ड तोड़ता नजर आ रहा है।

जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष इसी अवधि के

- जिला प्रशासन ने बताया है कि यह एक रिकॉर्ड है और इसका कारण है सुगम यातायात और बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर।

दौरान यह आंकड़ा करीब 15 से 18 लाख के आसपास था। सुगम यातायात और बेहतर बुनियादी ढ ांचे के कारण इस साल 30-40 प्रतिशत अधिक श्रद्धालु मथुरा-वृंदावन पहुंचे हैं। विशेषकर श्री बांके बिहारी मंदिर और गोवर्धन परिक्रमा में इस बार ''पैर रखने की भी जगह'' नहीं दिख रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''गिग'' कर्मचारियों को सोशल सिक्युरिटी का लाभ कैसे मिले?

सरकार द्वारा प्रस्तावित कानून में कई शर्तें लगाई हैं, गिग वर्कर्स पर, इस लाभ का हकदार बनने के लिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जनवरी। क्रिसमस और नए साल पर देशभर में हड़ताल करने वाले गिग वर्कर्स के लिए एक अच्छी खबर है। ये वर्कर्स उचित वेतन, मानवीय कामकाजी परिस्थितियों और सामाजिक सुरक्षा की मांग कर रहे थे।

श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय ने मंगलवार को ''कोड ऑन सोशल सिक्यूरिटी (सैंट्रल) रूल्स, 2025'' नाम से मसौदा नियम जारी किए हैं। इनके तहत, गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा और पंजीकरण की सुविधा दी जाएगी।

गिग वर्कर्स रोज़ी-रोटी के लिए सम्मान और सुरक्षा दोनों को दांव पर लगाते हैं। गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं, जो परंपरागत स्थायी नौकरी की जगह छोटे-छोटे, लचीले और अल्पकालिक काम करते हैं, जिन्हें गिग कहा जाता है। ये लोग अलग-अलग ग्राहकों या डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के लिए स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में काम करते हैं। इनमें कैब ड्राइवर, फ़ूड डिलीवरी बॉय, फ्रीलांस लेखक, डिज़ाइनर और कंसल्टैंट आदि शामिल हैं। ये नियमित वेतन के बजाय प्रोजैक्ट-दर-प्रोजैक्ट पैसा कमाते हैं और काम ढूँढ़ने के लिए अक्सर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। पूर्णकालिक नौकरी के बजाय, इसे टुकड़ों में किया जाने वाला काम (गिग) कहा जाता है

मसौदा नियमों के 10 मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं: स्वास्थ्य, जीवन और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं के लिए गिग वर्कर को कम से कम 90 दिनों तक एक ही एग्रीगेटर के लिए काम करना होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पहली महत्वपूर्ण शर्त है कि ''गिग वर्कर्स'' को किसी भी एक कंपनी/प्लेटफार्म के यहाँ कम से कम 90 दिन काम करना होगा, तभी उसे स्वास्थ्य, व्यक्तिगत दुर्घटना के समय इंश्योरैंस आदि का हक मिल सकेगा।
- वर्कर्स का नब्बे दिन का कार्यकाल उसी दिन से मान लिया जाएगा, जब से पहले दिन से पैसे मिलेंगे। इसका कोई महत्व नहीं होगा कि उसे कितने कम या ज्यादा पैसे मिलते हैं।
- हर ''गिग वर्कर'' को अपने आधार कार्ड का उपयोग करते हुए, अपने आपको रजिस्टर करना होगा और काम देने वाली कंपनी/प्लेटफार्म को एक सैंट्रल पोर्टल पर वर्कर के बारे में जानकारी डालनी होगी, जिसमें वर्कर को यूनिक आईडी मिलेगी तथा वर्कर को एक आईडी कार्ड दिया जाएगा, जिसमें उसकी फोटो भी लगी होगी।
- एक सरकारी अधिकारी, प्लेटफार्म से प्रति वर्कर आर्थिक योगदान इकट्ठा करके, सोशल सिक्युरिटी फण्ड में डालेगा, जिससे वर्कर को सोशल सिक्युरिटी की सुविधा फायनैंस की जाएगी।

इंदौर त्रासदी, एम पी सरकार एक्शन मोड में

भोपाल/इंदौर, 02 जनवरी। भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई मौतों के बाद आखिरकार मोहन सरकार ने नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव को पद से हटाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सोशल मीडिया पोस्ट ने इस कार्रवाई को सार्वजनिक किया है।

सीएम मोहन यादव ने कहा है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, सरकार

- इंदौर के नगर निगम कमिश्नर दिलीप कुमार यादव व 2 अन्य बड़े अफसर सस्पैंड किए गए।

कड़े एक्शन ले रही है। इससे पहले सरकार ने दो बड़े अफसरों को सस्पेंड कर दिया था। सीएम मोहन यादव ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि इंदौर में दूषित पेयजल प्रदाय से हुई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या व जलाने की घटनाओं से हतप्रभ हैं ममता बनर्जी

वो जानती हैं, जैसे-जैसे इन घटनाओं की जानकारी बंगाल में पहुँच रही है, हिंदू जनता में आक्रोश बढ़ रहा है तथा इसका प्रभाव चुनाव पर जरुर पड़ेगा

-अंजय रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जनवरी। बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यक्ति को खून की प्यासी भीड़ द्वारा जिंदा जलाने की घटना सामने आई है। पीड़ित इस समय ढाका के अस्पताल में जीवन और मृत्यु की जंग लड़ रहा है, क्योंकि उसका चेहरा और शरीर से कई हिस्से गंभीर रूप से जल गए हैं।

अब यह महसूस किया जा रहा है कि केन्द्र सरकार ने बांग्लादेश के प्रति एक कमज़ोर नीति अपना रखी है और उस देश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर आंखें मूंदे हुए है। जबकि पश्चिम बंगाल में मुसलमान अक्सर हिंदुओं को धमकाते रहे हैं, और हमले करते रहे हैं, यह मुख्य रूप से ममता बनर्जी सरकार की ''अंधी तुष्टिकरण नीति'' के कारण था।

- दूसरी ओर भाजपा नेता अमित शाह बंगाल में डटे हुए हैं, घटनाक्रम का पूरा राजनीतिक लाभ लेने के लिए।
- तनावग्रस्त ममता बनर्जी ने अजीबोगरीब आदेश व प्रतिक्रिया देनी शुरु की।
- पहले तो अपने कैडर को आदेश दिए कि अमित शाह के स्वागत में लगे सभी बैनर-पोस्टर, होर्डिंग को हटवाओ, जिससे ऐसा लगे कि उनकी उपस्थिति का कोई असर नहीं है।
- फिर ममता जी ने वक्तव्य दिया कि वे उदार दिल हैं, अतः उन्होंने अमित शाह को शहर में घूमने-फिरने, राजनीतिक प्रचार की अनुमति दे रखी है, अन्यथा वे अमित शाह को उनके होटल तक सीमित कर सकती थीं, तथा उनके बाहर निकलते ही, बंगाल की पुलिस उनको घेर लेती और उनके सारे प्रोग्राम थम जाते।
- पर, अहम् सवाल यह है कि क्या राज्य की पुलिस देश के गृह मंत्री को, देश के किसी भी राज्य में घूमने-फिरने से रोक सकती है और क्या राज्य की पुलिस ऐसे आदेश का अनुपालन करने से इनकार नहीं करेगी, आखिर राज्यों की पुलिस भी देश के गृह मंत्रालय की रज़ामंदी से व इजाज़त से ही तो राज्य में काम करती है, तैनात होती है।

वरिष्ठ भाजपा नेता इस बात से पूरी तरह आश्वस्त हैं कि सीमा पार हो रही इन घटनाओं का भारतीय जनता की मुस्लिम मुद्दे के प्रति सोच पर गहरा असर पड़ेगा। इसका असर वोटिंग पैटर्न पर भी पड़ेगा।

ममता बनर्जी जानती हैं कि उनके चारों ओर क्या हो रहा है। वे राज्य में भाजपा के हर निशान को मिटाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में शुक्रवार को 66 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 02 जनवरी। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को 66 उड़ानें रद्द रहीं।

दिल्ली में आज कोहरा कम था, लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में कोहरे के कारण वहां से आने वाली और वहां जाने

- हालांकि दिल्ली में आज कोहरा कम था पर अन्य शहरों में कोहरा होने की वजह से फ्लाइट्स कैंसल की गईं।

वाली उड़ानें रद्द रहीं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विमान सेवा कंपनियों ने आज दिल्ली आने वाली 32 और यहां से जाने वाली 34 उड़ानें रद्द कीं। इसके अलावा कई उड़ानों में देरी की भी सूचना है।

उल्लेखनीय है कि आज दिल्ली में रनवे पर दृश्यता ठीक रही, लेकिन दूसरे शहरों में कोहरा रहा।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका : राजनाथ सिंह

उदयपुर में भूपाल नोबल्स विद्या प्रचारिणी सभा का 104 वां स्थापना दिवस मनाया

- **प्रो. सारंगदेवोत ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष मेवाड़ क्षेत्र में सैनिक विद्यालय की स्थापना की मांग रखी**

उदयपुर, (कासं)। शिक्षा व्यवस्था की मजबूती का आधार शिक्षक होता है। शिक्षक को समाज में सम्मान की दृष्टि से देखा जाना चाहिए, क्योंकि इतिहास साक्षी है कि शिक्षकों ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तनों की नींव रखी है, जो झुकना जानता है, वही उठना भी जानता है। शिक्षा को सम्मान देने से शिक्षा स्वयं विकास का पर्याय बन जाती है। ज्ञान के सही प्रयोग के लिए विवेक अनिवार्य है। विवेकयुक्त ज्ञान ही कल्याणकारी होता है, अन्यथा वही ज्ञान विनाश का कारण भी बन सकता है। विवेक का विकास व्यक्ति के भीतर करना आवश्यक है। विद्यार्थियों को कैसे सोचना है, सर्वांगीण दृष्टि कैसे विकसित करनी है इस दिशा में विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह विचार शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भूपाल नोबल्स विद्या प्रचारिणी सभा के 104 वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और भविष्य की पीढ़ियों के निर्माण का सशक्त आधार है। रक्षा मंत्री ने कहा कि स्थापना दिवस भविष्य को उत्कृष्ट बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक होता है। उन्होंने संस्थान की विकास यात्रा, उसके संघर्षों तथा स्थापना के दौरान आए धैर्य और समय की परीक्षाओं का उल्लेख करते हुए जीवन के लक्ष्यों के प्रति समर्पण की आवश्यकता पर बल दिया। राजनाथ सिंह ने महाराणा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समारोह में उत्कृष्ट विभूतियों को लाइफ टाइम अचीवमेंट व खिलाड़ियों को बीएन प्राइड अवार्ड से नवाज़ा।

भोपाल सिंह द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान और साक्षरता बढ़ाने के प्रयासों को याद किया। उन्होंने कहा कि भूपाल सिंह का शौर्य व राष्ट्रभक्ति सर्वोपरि थी तथा उनके लिए राष्ट्र सर्वोच्च स्थान पर था।

राजनाथ सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के साथ परंपरागत ज्ञान तथा आधुनिक शिक्षा का संतुलित समन्वय है। समारोह से पूर्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संस्थान परिसर में लगी महाराणा भूपाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। सिंह का कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा गुलाब कली देकर स्वागत किया गया उसके बाद एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि आज विश्व युद्ध कलाओं और कौशलों के एक संक्रमणकाल से गुजर रहा है। पारंपरिक युद्धों के स्थान पर अब युद्ध का स्वरूप हार्डवेयर से सॉफ्टवेयर की ओर तेजी से बदल रहा है, जहां साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में रक्षा मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण भारत ने रक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन किया है और आज युद्ध उपकरणों में आयातक से निर्यातक राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि संस्थान ने शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र सेवा, संस्कार और चरित्र निर्माण को सदैव अपने मूल उद्देश्य के रूप में अपनाया है। उन्होंने रक्षा मंत्री के समक्ष मेवाड़ क्षेत्र में सैनिक विद्यालय की स्थापना की मांग रखी।

प्रधान संरक्षक एवं अध्यक्ष महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ ने संस्थान की स्थापना में महाराणा भूपाल सिंह के अमूल्य योगदान को विस्तार से रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि सांसद मन्नालाल रावत ने इस क्षेत्र ने सदैव शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र हित को सर्वोपरि माना है। चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी ने कहा कि यह संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास करते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पित पीढ़ी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने बताया कि संस्थान के विकास में योगदान देने के लिए 102 वर्षीय उदय सिंह पुरावत, तेज सिंह शक्तावत, रावत मनोहर सिंह कृष्णावत, गुणवंत सिंह झाला, प्रदीप सिंह सांगावत, कृष्ण सिंह सारंगदेवोत, चंद्रगुप्त सिंह चौहान, लाल सिंह झाला को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड व खेलों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए कार्तिकी सिंह शक्तावत, अपूर्वी चंदेला को बीएन प्राइड अवॉर्ड से नवाजा गया।

इसके साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं सम्मानित अतिथियों द्वारा प्रशासनिक भवन में बनी फतह आर्ट गैलेरी का लोकार्पण किया, जिसमें फतह सिंह से सम्बंधित फोटो एवं इतिहास को दर्शाया गया है।

आम रास्ते पर अतिक्रमण हटाने की मांग, ग्रामीणों का धरना जारी

- **आरोप है कि गांव के एक आम रास्ते पर कुछ लोगों ने दबंगई से चबूतरा बना दिया और उस पर भैरू की मूर्ति स्थापित कर दी**
- **धरने पर बैठे गांव के धर्मसिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मांगों को नहीं सुना गया तो वे सचिवालय गेट पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करेंगे**

अलवर, (निसं)। अलवर स्थित मिनी सचिवालय के गेट पर गुरुवार सुबह 11 बजे से रैणी क्षेत्र के लूनिया का बास भूड़ा गांव के लोग धरने पर बैठे हैं। ग्रामीण कड़ाके की ठंड और हल्की बूंदाबांदी के बावजूद पूरी रात सचिवालय गेट पर डटे रहे। रात में तापमान करीब सात डिग्री दर्ज किया गया। धरने में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल रहे। कुछ लोगों ने तिरपाल और कंबल ओढ़े, तो कुछ अलाव तापते नजर आए। आरोप है कि गांव के एक आम रास्ते पर कुछ लोगों ने दबंगई से चबूतरा बना दिया और उस पर भैरू की मूर्ति स्थापित कर दी। आरोप है कि यह निर्माण पटवारी की मौजूदगी में रात के समय करवाया गया। धरने पर बैठे गांव के धर्मसिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मांगों को नहीं सुना गया तो वे सचिवालय गेट पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करेंगे। इसकी जिम्मेदारी पटवारी, तहसीलदार, एसडीएम और कलैक्टर की होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुवार से धरने पर बैठे होने के बावजूद प्रशासन ने अब तक कोई सुध नहीं ली है।

धर्मसिंह ने बताया कि गांव के एक आम रास्ते पर कुछ लोगों ने दबंगई से चबूतरा बना दिया और उस पर भैरू की मूर्ति स्थापित कर दी। आरोप है कि यह निर्माण पटवारी की मौजूदगी में रात के समय करवाया गया।

इस मामले में तहसीलदार कैलाशचंद मेहरा ने 3 दिसंबर 2025 को चबूतरा निर्माण के बाद 7 आरोपियों के खिलाफ मामला भी दर्ज करवाया था। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त रास्ते के लिए पहले ही राजस्व विभाग में शुल्क जमा करवाया जा चुका है। इससे यह रास्ता आमजन के लिए स्वीकृत है। इसके बावजूद अब तहसीलदार, एसडीएम और पटवारी मिलकर उस रास्ते पर स्टे लगवाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष और संबंधित अधिकारी एक ही जाति के होने का फायदा उठाकर आम रास्ते को बंद रखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बंद होने से गांव की स्थिति बेहद खराब हो गई है। पानी के टैंकर गांव तक नहीं आ पा रहे हैं और पशुओं को पानी पिलाने के लिए एक किलोमीटर दूर ले जाना पड़ रहा है। इसी कारण सभी ग्रामीणों ने कामकाज बंद कर रखा है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा कुछ फर्जी हस्ताक्षर करवा लिए गए हैं, जिनमें यह दिखाया जा रहा है कि रास्ता बंद होने पर गांव वालों को कोई आपत्ति नहीं है। वहीं शुक्रवार सुबह भी ग्रामीण सचिवालय गेट पर धरने पर डटे रहे और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की।

जमीन निवेश में मुनाफे का लालच देकर तीन लाख रुपए हड़पे

- **पीड़ित ने दोस्त पर लगाया आरोप, मुकदमा दर्ज कराया**

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में जमीन के नाम पर निवेश कराने का भरोसा दिलाकर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने अपने ही दोस्त पर करीब तीन लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। युवक ने यह रकम अपनी बहन की सहेली से उधार लेकर और गहने फाइनेंस कर जुटाई थी। अलवर गेट थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मिस्त्री मोहल्ला गुलाबबाड़ी निवासी विष्णु बैरवा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन की सहेली शिवानी उनके घर के पास रहती है। विष्णु ने शिवानी से अलग-अलग किस्तों में रकम उधार ली। 1 लाख 19 हजार रुपए ऑनलाइन, 55 हजार रुपए नगद और 1 लाख 30 हजार रुपए गहने फाइनेंस कर प्राप्त किए। पीड़ित का कहना है कि ब्यावर निवासी जमीन कारोबारी दोस्त दौलत को पूरी रकम दे दी। शिकायत में विष्णु ने बताया कि दौलत ने जमीन के व्यापार में पैसा लगाने पर अच्छा मुनाफा होने का झांसा दिया था। पीड़ित का आरोप है कि पैसे लेने के बाद दोस्त ने न तो मुनाफे की कोई जानकारी दी और न ही रकम लौटाई। उल्टा करीब तीन लाख रुपए की राशि हड़प ली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में वाहन पार्किंग को लेकर विवाद

- **पांच रुपए के बदले वसूल रहे बीस रुपए, पीड़ित ने अस्पताल प्रशासन से शिकायत की**

अजमेर, (निसं)। जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजन से वाहन पार्किंग के नाम पर पार्किंग के ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा खुलेआम अवैध वसूली का मामला सामने आया है। शुक्रवार को एक पीड़ित ने अस्पताल प्रशासन से इसकी शिकायत की है।

जेएलएन अस्पताल में शुक्रवार को सोनोग्राफी के लिए पहुंची पीड़ित कमला ने बताया कि पार्किंग पर्ची के नाम पर उससे 20 रुपए लिए, जबकि पार्किंग की पर्ची पर दर 5 रुपये अंकित है। उन्होंने कहा कि इलाज के तनाव में पहले से ही परेशान होते हैं, ऊपर से पार्किंग पर बहस कर समय खराब होता है। वहीं अरविंद जैन ने बताया कि वे वार्ड में भर्ती मरीज से मिलने अस्पताल आए थे, पार्किंग पर 20 रुपये मांगे गए तो उन्होंने आपत्ति जताने पर हंगामा हो गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन हजारों लोग आते और जाते हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर की वाहन पार्किंग में टेंडर शर्तों के अनुसार दोपहिया वाहन का निर्धारित शुल्क मात्र 5 रुपये है, लेकिन मौके पर 20 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। यानी तय दर से चार गुना वसूली हो रही है।

लोगों का आरोप है कि वाहन पार्किंग के नाम पर अस्पताल में अवैध वसूली की घटना एक दिन की नहीं, बल्कि रोजमर्रा की बन चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रतिदिन अस्पताल में हजारों दोपहिया वाहन आते हैं तो 15 रुपये प्रति वाहन की अतिरिक्त वसूली के हिसाब से रोजाना 20 से 25 हजार रुपये तक की अवैध कमाई हो रही है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर सवाल उठाए कि अवैध वसूली किसकी निगरानी में हो रही है और शिकायतों के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही, जिससे अस्पताल प्रबंधन की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

टेंडर की शर्तों के विपरीत वसूली सीधे तौर पर अनुबंध उल्लंघन और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आती है। अस्पताल प्रबंधन की चुप्पी पर लोगों ने कथित मिलीभगत का आरोप लगाया है। कई परिजनों का कहना है कि शिकायत करने पर पार्किंग कर्मी बहस करते हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई सुनवाई नहीं होती। मरीजों और परिजनों की मांग है कि पार्किंग टेंडर की शर्तों के अनुसार दरों का कड़ाई से पालन कराया जाए, अतिरिक्त वसूली करने वालों पर कार्रवाई हो और अब तक की अवैध वसूली की जांच कर जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाए।

'उद्दंडी लोगों पर पुलिस-प्रशासन ने की सराहनीय कार्रवाई'

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने चौमूं प्रकरण पर बयान दिया

जयपुर, (कासं)। विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा है कि चौमूं में अराजकता फैलाने वाले पत्थरबाजों के विरूद्ध पुलिस की कार्रवाई सराहनीय है। संपूर्ण राजस्थान में चौमूं की घटना से उद्दंडियों ने माहौल, भाईचारा, समृद्धि और विकास को खराब करने का प्रयास किया था। राज्य सरकार और पुलिस की यह कार्रवाई उनके लिए सजा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग कायदे में रहेंगे तो फायदें में रहेंगे। अगर नियम कायदे के बाहर काम करेंगे तो पुलिस प्रशासन की कार्रवाई होगी।

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने प्रदेश के विकास एवं समृद्धि में सभी के योगदान और केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं का फायदा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में कभी पत्थरबाज हुआ करते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने ऐसे लोगों के हाथों में कलम और रोजगार दिया। जिससे कश्मीर में अच्छी शिक्षा है और वह व्यापार से विकास तथा समृद्धि की ओर बढ़ रहा है।

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा है कि केन्द्र सरकार के मागदर्शन में राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दो वर्ष में ऐतिहासिक विकास के काम हुए हैं। अगर प्रदेश की इस यात्रा में कोई खलल डालने और आबोहवा बिगाड़ने तथा कायदे से बाहर जाकर काम करने का प्रयास करेगा तो उसके लिए प्रशासन का डंडा तैयार रहेगा।

डिलीवरी एजेंट बनकर कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए की जा रही है सायबर ठगी

जयपुर, (कासं)। राजस्थान पुलिस की सायबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट ने साइबर ठगी के एक बेहद खतरनाक और नए तरीके यूएसएसडी आधारित कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम का खुलासा किया है। महानिदेशक पुलिस, साइबर क्राइम के मार्गदर्शन में जारी इस एडवाइजरी में बताया गया है कि कैसे ठग डिलीवरी एजेंट बनकर आपकी कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए आपकी डिजिटल पहचान और जमा पूंजी पर डाका डाल रहे हैं।

पुलिस उपमहानिरीक्षक साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि इस नए ट्रेंड में अपराधी कूरियर या डिलीवरी सर्विस एजेंट बनकर नागरिकों से संपर्क करते हैं। वे पार्सल की डिलीवरी कन्फर्म करने या उसे रीशेड्यूल करने का बहाना बनाकर पीड़ित को झांसे में लेते है। इसके बाद पीड़ित को एसएमएस के जरिए एक कोड भेजा जाता है जो अक्सर 21, 61 या 67 से शुरू होता है और उसके पीछे ठग का मोबाइल नंबर होता है। अपराधी इस कोड को डायल करने का दबाव बनाते हैं, जिसे यूएसएसडी (अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डेटा) कहा जाता है।

जैसे ही पीड़ित अपने फोन से यह कोड डायल करता है, उसके मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग सेवा अपने आप सक्रिय हो जाती है। इसके बाद पीड़ित के फोन पर आने वाले सभी महत्वपूर्ण कॉल, बैंक पेमेंट के ओटीपी वेरिफिकेशन कॉल, और यहाँ तक कि व्हाट्सएप या टेलीग्राम के ऑथेंटिकेशन कोड सीधे ठग के फोन पर चले जाते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि अपराधी पीड़ित के बैंक खातों से अनाधिकृत वित्तीय लेनदेन कर लेते हैं और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी हैक कर लेते हैं।

सायबर क्राइम शाखा ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान कॉलर के कहने पर कोई भी कोड डायल न करें। यदि आपको संदेह है कि आपकी कॉल फॉरवर्ड हो रही है, तो तुरंत 002 डायल करें, जिससे सभी कॉल फॉरवर्डिंग सेवाएं तुरंत कैंसिल हो जाएंगी। इसके अलावा, किसी भी कूरियर की जानकारी हमेशा आधिकारिक वेबसाइट या कस्टमर केयर नंबर से ही वेरिफाई करें और एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

रामपुरा में अण्डरब्रिज निर्माण की मांग

- **जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को 120 किलोमीटर दूर से आये रामपुरा बेरी के ग्रामीणों ने ज्ञापन दिया**

सादुलपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को 120 किलोमीटर दूर से आये रामपुरा बेरी के ग्रामीणों ने नये साल की शुभकामनायें दी और वर्षो से अपने खेतों के रास्ते में आवागमन में हो रहे अवरूद्ध रास्ते को खोलने के लिए रामपुरा में रेलवे लाइन के नीचे अण्डर ब्रिज की निर्माण की माँग को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में बताया कि रामपुरा के सैकडों किसानों को बन्द रास्ते के कारण खेतों में जुताई के लिए ट्रेक्टर ले जाने के लिए बड़ी मसक्कत करनी पडती है। खेतों में पैदा अनाज को घर व बाजार में ले जाने के रास्ते अवरूद्ध रहते हैं, जिसको घर और बाजार में ले जाने के लिए सभी खेतों में खाली होने का इंतजार करना पड़ता है और 500 मीटर की दूरी छह किलोमीटर होकर तय करनी पड़ती है, जिससे अनाज को घर और बाजार में ले जाने के लिए मालवाहन अधिक राशि वसुलते है। इसलिए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन में वर्षो पुराने 24 फीट चौड़े गांव में गौशाला के पास होते हुए संबन्धित किसानों के खेत को रास्ता ढाणा वाला रास्ता में अण्डरब्रिज बनाकर ग्रामीणों को आवागमन को सुगम बनाने की माँग की है। ज्ञापन देने वाले ग्रामीणों के प्रतिनिधिमण्डल में रामावतार मीणा, सुरेन्द्र बहलान, किशनलाल बहलाना, ओमप्रकाश मीण, सुन्दर शेखावत, सुरतानन्द बहलान, जगदीश चेतिवाल, कृष्ण अग्रवाल, राजू चेतिवाल व डॉ. विजय मीणा आदि उपस्थित रहे।

शीतलहर का असर जारी

छबड़ा। शीतलहर के साथ ही कोहरे अपने रौद्र रूप में है। शाम होते ही लोग घरों में दुबकने को मजबूर है। कोहरे ने ना सिर्फ वाहनों की रफ्तार को काम कर दिया, बल्कि जनजीवन पर भी असर डाला। पहली जनवरी से ही तेजी से पारा गिरने लगा और शीतलहर का असर दिखने लगा। सुबह दूसरे दिन जब लोग जागे तो आसमान में घना कोहरा कब्जा किए हुए था।

डॉ. अम्बेडकर के खिलाफ गलत टिप्पणी करने के दोषी की गिरफ्तारी की मांग

आक्रोशित जनों से थाना इंचार्ज गौरव खिडिया ने वार्ता की, इसके बाद मामला शांत हुआ

रतनगढ़, (निसं)। सोशल मीडिया पर डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर एवं एस.सी एस.टी समाज के खिलाफ अपमानजनक और असंसदीय शब्दों के साथ गाली-गलौज करने वाले युवक की गिरफ्तारी नहीं होने पर लोगों ने विरोध जताया।

शुक्रवार को सैकड़ों आक्रोशित ग्रामीण जन राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) के जिलाध्यक्ष शिवाराम मेघवाल, पूर्व प्रधान संतोष तालणिया व हनुमान छाबड़ी के नेतृत्व में रतनगढ़ थाने परिसर पहुंचे और दोषी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करने पर गहरा आक्रोश प्रकट करते हुए थाने के समक्ष पुरजोर तरीके से नारेबाजी कर अपना विरोध जताया। वहीं दोषी के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तारी करने की मांग पर अड़ गये। आक्रोशित जनों से थाना इंचार्ज गौरव खिडिया ने वार्ता की। थानाधिकारी के आश्वासन पर आक्रोशित जन बड़ी मुश्किल से माने और दोषी को तत्काल गिरफ्तारी कर शहर में परेड करवाने की मांग की, ताकि आमजन के मध्य यह उदाहरण सामने आये की भारत रत्न से विभूषित व्यक्तित्व व किसी समाज विशेष के विरुद्ध वाणी निकालनी कितनी महँगी साबित हो सकती है और भविष्य में कोई इस प्रकार से क्षेत्र की गंगा जमुनी विरासत को दूषित करने से पूर्व सोचने को बाध्य हो कि सामाजिक सौहार्द्र और सद्भाव बिगाड़ने का यह नतीजा आ सकता है। इस अवसर पर पार्षद राजेश गहलोत, उसरपंच भानीराम मेघवाल, सरपंच देवीलाल, भंवरलाल गोपालपुरिया, श्रवण जैतासर, जगदीश घुघरवाल, श्रवण बारूपाल, श्रवण जोईया, श्रवण सोडा, लालचंद पंवार, मदनलाल जाखड़, मुस्ताक खां, लालचंद मीणा, मंगतूराम मंडीवाल, संदीप धानिया सहित सर्वें समाज लोग उपस्थित थे।

चौमूं पथराव मामला : अवैध बूचड़खानों और निर्माणों को बुलडोजर से तोड़ा

- **अवैध निर्माण को हटाने के दौरान नगर परिषद की टीम ने तीन बिल्डिंग को सील भी किया**

चौमूं/कालाडेरा/जयपुर। जयपुर के चौमूं कस्बे में 25 दिसंबर को पुलिस पर हुई पत्थरबाजी की घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। धार्मिक स्थल से जुड़े अतिक्रमण विवाद के बाद हालात बिगड़ने और हिंसा फैलाने के मामले में चिन्हित किए गए पत्थरबाजों के घरों व अवैध निर्माणों पर नगर परिषद की टीम ने बुलडोजर कार्रवाई की। वहीं अवैध निर्माण को हटाने के दौरान तीन बिल्डिंग को सील भी किया गया।

वहीं इससे पहले अवैध निर्माण करने वालों को नगर परिषद प्रशासन ने नोटिस जारी कर तीन दिन का समय दिया गया था। इसके बाद अवैध बिल्डिंग पर निशान लगाए गए थे। इस दौरान मौके पर डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा, एडिशनल डीसीपी राजेश गुप्ता, आईपीएस उषा यादव, चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा सहित कई अन्य थानों के एसएचओ सहित भारी पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात रहा। साथ ही प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहा और हालात पर कड़ी नजर रखी गई। इस

नगर परिषद प्रशासन अवैध निर्माणों को बुलडोजर से तोड़ दिया। इस दौरान भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

दौरान इमाम चौक और पठान चौक में अवैध अतिक्रमण तोड़ने के दौरान नगर परिषद और पुलिस प्रशासन को कार्रवाई के दौरान मौके से एयरगन और धारदार हथियार भी बरामद हुए हैं।

चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस ने पथराव में शामिल 24 पत्थरबाजों के घरों पर नोटिस चस्पा कर तीन दिन में जवाब मांगा था। नोटिस की अवधि 31 दिसंबर को पूरी हो गई थी, लेकिन संबंधित लोगों ने न तो जवाब दिया और न ही कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए। इसके बाद नगर परिषद ने अवैध निर्माण हटाने का निर्णय लिया। चौमूं एसएचओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि तोड़ने की कार्रवाई नगर परिषद प्रशासन कर रहा है। पुलिस की तैनाती यहां किसी स्थिति से निपटने के लिए की गई है। नगर परिषद की टीम ने पठान कॉलोनी, बस स्टैंड और इमाम चौक सहित विभिन्न इलाकों में बुलडोजर चलाया गया।

अतिक्रमण हटाने के दौरान इमाम चौक क्षेत्र में कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाइश की, जिसके बाद स्थिति शांत हो गई। एसएचओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि अब तक दो दर्जन से अधिक अतिक्रमणों पर कार्रवाई की जा चुकी है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

इस कार्रवाई पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि चौमू में कानून को हाथ में लेने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर सख्त कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून के समर्थन में है। राजस्थान में शांतिभंग करने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। नगर परिषद चौमूं के सहायक लेखाधिकारी सुनील कुमार स्वामी ने बताया कि नगर परिषद ने सड़क सीमा में संचालित अवैध मीट व नॉनवेज दुकानों और अवैध रैंप-सीढ़ियों को हटाने की कार्रवाई की गई।

डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि चौमूं में कुल 20 अवैध अतिक्रमणों को तोड़ा गया है। तीन कॉमर्शियल बिल्डिंगों के खिलाफ भी नगर परिषद ने कार्रवाई की है। इस प्रकरण में फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक चौमूं रामलाल शर्मा ने कहा कि चौमूं में 25 दिसंबर की घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार द्वारा अतिक्रमण और उपद्रवियों पर की गई कड़ी कार्रवाई स्वागत योग्य है। राजस्थान में कानून का राज है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार पत्थरबाजों और उपद्रवियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

सरस राजसखी मेले में उत्साह और सहभागिता चरम पर

मेले में दर्शकों और प्रतिभागियों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला

जयपुर। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है, और जैसे-जैसे समापन नज़दीक आ रहा है, मेले का उत्साह और आकर्षण अपने शिखर पर दिखाई दे रहा है।

मेले में दर्शकों और प्रतिभागियों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। इसकी प्रमुख वजह शनिवार को इन्फ्लुएंसर्स और विज़िटर्स के लिए आयोजित विशेष कॉन्टेस्ट के नतीजों को लेकर बना रोमांच रहा। परिणाम घोषित होने से ठीक एक दिन पहले प्रतिभागियों में बेहतर प्रदर्शन करने और आकर्षक पुरस्कार अपने नाम करने का जोश साफ झलक रहा था। मेले का हर कोना आज रचनात्मकता और उमंग से भरा नज़र आया। कहीं कैमरों की क्लिक सुनाई दे रही थी, तो कहीं सोशल मीडिया के लिए रील्स और वीडियो बनाते युवा दिखाई दिए। नए साल के आगमन की खुशी ने भी इस उत्सव में चार चांद लगा दिए, जिसके चलते पिछले दिनों की तुलना में आज फुटफॉल में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसके साथ ही मेले में प्रतिदिन आयोजित होने वाले लकी ड्रा ने भी खरीदारों के उत्साह को लगातार बनाए रखा है। लकी ड्रा के माध्यम से फ्रिज, वॉशिंग मशीन और स्मार्टफोन जैसे आकर्षक इनाम जीतने का अवसर ग्राहकों को अधिक खरीदारी के लिए प्रेरित कर रहा है, जिससे मेले में बिक्री को भी खासा बढ़ावा मिला है।

अवैध बजरी परिवहन में पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। बड़लियास थाना पुलिस ने बजरी माफियाओं के बीच भेष बदलकर पहुंची और बजरी माफियाओं को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने मौके से अवैध बजरी परिवहन करते पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया।

मामला बड़लियास थाना क्षेत्र का है। पुलिस को खबर मिली थी कि बजरी माफिया सक्रिय हैं, लेकिन पुलिस की गाड़ी देखते ही माफिया भाग जाते थे। इसलिए, इस बार पुलिस ने अलग तरिका अपनाया। पुलिसकर्मी पुलिस की जीप में नहीं, बल्कि बजरी से भरे ट्रैक्टर की ट्रॉली में लेटकर और छिपकर माफियाओं के ठिकाने तक पहुंचे। जैसे ही ट्रैक्टर माफियाओं के अड्डे पर पहुंचा, ट्रॉली में छिपी पुलिस टीम अचानक बाहर निकली। माफिया कुछ समझ पाते, उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें घेर लिया। इस आकस्मिक कार्यवाही से हड़कंप मच गया और पुलिस ने मौके से अवैध बजरी परिवहन करते 5 ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया।

'राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता'

जयपुर । राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखते हुए कम उपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों एवं ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिक्ता से पारदर्शिता के साथ वितरण करवाया जा रहा है। उर्वरकों की कालाबाजारी एवं जमाखोरी को रोकने के लिए विभाग के अधिकारी प्रदेश भर में पूर्ण सतर्कता से कार्य कर रहे हैं तथा खाद के अवैध भण्डारण, कालाबाजारी व यूरिया डाइवर्जन के प्रकरणों में व्यापक कार्यवाही की जा रही है। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरंतर केंद्र सरकार से समनव्य स्थापित कर प्रदेश की मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ती करवायी जा रही है। वर्तमान में राज्य में यूरिया की कोई कमी नहीं है। उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु रबी 2025 में अक्टूबर से दिसम्बर तक की मांग 11 लाख 34 हजार मै. टन यूरिया के विरुद्ध 1 अक्टूबर 2025 को उपलब्ध स्टॉक सहित अब तक 14 लाख 10 हजार मै. टन यूरिया की उपलब्धता करवाई जा चुकी है।

बीकानेर : तेज रफ्तार ट्रेलर ने आठ लोगों को कुचला, चार की मौत

देशनोक-नौरंगदेसर मार्ग पर पलटे ऑटो को उठा रहे थे, ट्रेलर ने पिकअप को भी टक्कर मारी

- पलटे हुये ऑटो को उठाने के लिए पिकअप को बुलाया था, इस दौरान आठ लोग मौजूद थे
- चार घायलों को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल भेजा, हादसे के बाद ट्रेलर ड्राइवर फरार हो गया

बीकानेर, (निसं)। ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े ऑटो और पिकअप को टक्कर मारते हुए 8 लोगों को रौंद दिया। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। हादसा नापासर थाना क्षेत्र में भारतमाला हाईवे पर देशनोक-नौरंगदेसर मार्ग पर देर रात बारह बजे हुआ।

जानकारी के अनुसार देशनोक-नौरंगदेसर मार्ग पर देर रात ऑटो पलट गया था। ऑटो को उठाने के लिए पिकअप को बुलाया गया था। इस दौरान घटनास्थल पर आठ लोग मौजूद थे। सभी लोग ऑटो को खड़ा करने का प्रयास कर रहे थे। तभी स्पीड में आए ट्रेलर ने ऑटो और पिकअप को टक्कर मारते हुए आठ लोगों को रौंद दिया। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चार घायलों को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल लाया गया। हादसे के बाद ट्रेलर ड्राइवर फरार हो गया।

हादसे में राजूराम पुत्र रामप्रसाद जाट निवासी लूणासर (चूरू), सुनील पुत्र लिच्छूराम गोदारा निवासी बादडिया (चूरू), सुनील पुत्र भंवरलाल बिश्नोई निवासी रासीसर (बीकानेर) और राजेश पुत्र पूरणमल जांगिड़ निवासी झीनी (झुंझुनूं) की मौत हो गई। घायल जोधपुर के सालावास निवासी इंद्र सिंह, चूरू के राजलवाड़ा निवासी ताराचंद, बादडिया निवासी परमेश्वर और पूजा पत्नी राजेश जांगिड़ को बीकानेर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया।

एएसआई किशन सिंह के अनुसार, इस हादसे में घायल इंद्र सिंह ने बताया कि मैं गांधीनगर की तरफ से आ रहा था। हाईवे पर ऑटो पलटा हुआ था। ऑटो वाले ने लाइट दी तो मैं रुक गया। हम ऑटो को उठाने का प्रयास कर रहे थे, तभी स्पीड में आए ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इंद्र सिंह ने बताया कि वहां दो से तीन गाड़ियां और खड़ी थह, जो चपेट में आ गई। मैं उछलकर डिवाइडर के तरफ गिरा, जिससे बच गया, नहीं तो ट्रेलर मेरे ऊपर आ जाता।

नाबालिग बच्ची से एक साल में 15 बार दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद

50 साल के दोषी ने कोल्ड ड्रिंक व टॉफी देने के बहाने बच्ची को घर और अन्य स्थानों पर ले जाकर 15 बार रेप किया था

- कोर्ट ने कहा कि दोषी ने खिलौनों से खेलने की उम्र की नाबालिग की मासूमियत का फायदा उठाकर जघन्य अपराध किया है, इस अपराध का प्रभाव न केवल तात्कालिक बल्कि पीड़िता के पूरे जीवन, उसके मन और मस्तिष्क पर पड़ेगा

अलवर, (निसं)। अलवर में 12 साल की बच्ची से रेप के दोषी को शुक्रवार को कोर्ट ने अंतिम सांस तक जेल (उम्रकैद) की सजा सुनाई और आरोपी पर चार लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। 50 साल के दोषी ने कोल्ड ड्रिंक व टॉफी देने के बहाने बच्ची को घर और अन्य स्थानों पर ले जाकर 15 बार रेप किया था।

पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 की जज शिल्पा समीर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि दोषी ने खिलौनों से खेलने की उम्र की नाबालिग की मासूमियत का फायदा उठाकर जघन्य अपराध किया है। इस अपराध का प्रभाव न केवल तात्कालिक बल्कि पीड़िता के पूरे जीवन, उसके मन और मस्तिष्क पर पड़ेगा।

आरोपी के वकील ने कोर्ट से सजा में नरमी बरतने का निवेदन किया गया, जिसका सरकारी पक्ष ने कड़ा विरोध किया। इस पर जज ने कहा कि आरोपी ने करीब एक साल के भीतर 15 बार बच्ची के साथ रेप किया। ऐसे आरोपी को नरमी नहीं दी जा सकती है। सरकारी वकील पंकज यादव ने बताया कि पीड़ित के पिता ने 12 नवंबर 2024 को शहर के अरावली विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया था कि कॉलोनी में मेरी 12 साल की बेटी खेल रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाला आरोपी उसे कोल्ड ड्रिंक और टॉफी देने के बहाने अपने साथ ले गया। बच्ची के साथ रेप किया। आरोपी इस तरह से बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाता और उसके साथ वारदात को अंजाम देता। जब कभी बच्ची जाने से मना कर देती तो आरोपी उसे डरा-धमकाकर अपने साथ लेकर जाता। जब बच्ची परेशान और गुमसुम रहने लगी तो पूछने पर उसने सारी बात बताई।

घरों में 11 हजार वोल्ट का करंट दौड़ा, लाखों का नुकसान

गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा टल गया

- बिजली विभाग ने विद्युत सप्लाई बंद कर स्थिति को नियंत्रित किया

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। अचानक घरों में 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का करंट दौड़ गया, जिससे कई घरों में लगे विद्युत उपकरण जलकर खाक हो गए। इस घटना में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है, हालांकि गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों व पीड़ित परिवार मालीराम जाजोरिया, मूलचंद जाजोरिया, गणेश राम, मूसीदेवी, अर्जुन लाल, नवल मास्टर, रामस्वरूप, तीजा देवी, मनभा देवी के अनुसार पावटा प्रागपुरा नगर पालिका क्षेत्र में नवोदय विद्यालय के पीछे जाजोरिया बस्ती में अचानक तेज आवाज के साथ बल्ब, पंखे, फ्रिज, टीवी, कूलर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फटने लगे। कई घरों में धुआं उठता देख लोग दहशत में आ गए और अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि किसी तकनीकी खराबी या लाइन फॉल्ट के कारण लो वोल्टेज लाइन में हाईटेंशन सप्लाई पहुंच गई। घटना की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग ने सप्लाई बंद कर स्थिति को नियंत्रित किया। यदि यह घटना रात के समय होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। विद्युत विभाग पावटा एईएन संजीव जाखड़ ने बताया कि ट्रांसफार्मर में इंटरनल फाल्ट आने के कारण यह घटना घटित हुई थी।

देशी सैलानियों से गुलज़ार हुआ जैसलमेर

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में नए साल का आगाज भीषण सर्दी से होने से बैंगलोर से आये पर्यटकों को खूब आनंद आया। बैंगलोर से जैसलमेर प्रतिदिन हवाई सेवा होने से आईटी उद्योग के व्यवसाई ज्यादा आ रहे हैं। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, उत्तरी भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण जैसलमेर में अगले दो दिनों तक घने कोहरे और शीतलहर की स्थिति बनी रह सकती है। इन दिनों स्वर्णनगरी देशी सैलानियों से गुलजार है।गौरतलब है कि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्रसिँह शेखावत द्वारा सोनार दुर्ग, गड़ीसर सरोवर पर संबंधित अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए जाकर अनेक विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया गया। उसी के परिणाम स्वरूप पर्यटकों की चहल-पहल नहीं थम रही।

कार का शीशा तोड़ 47 लाख रुपए से भरा सूटकेस ले उड़े बदमाश

कार सवार पर तीन बदमाशों ने हमला किया था, पीड़ित ने 11 दिन बाद थाने में शिकायत दी

अजमेर, (निसं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में 47 लाख रुपये की नकदी से भरा सूटकेस लूटकर बदमाशों के फरार होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वारदात में कार सवार तीन आरोपियों ने पीड़ित पर जानलेवा हमला करने का प्रयास किया, गाड़ी के शीशे तोड़े और डिक्की से सूटकेस निकालकर पुष्कर की तरफ भाग निकले। हैरानी की बात यह है कि पीड़ित ने घटना के करीब 11 दिन बाद थाने में शिकायत दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सुभाष नगर स्थित शक्ति नगर निवासी हरसिमरन सोढ़ी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह पुरानी मंडी में एक दुकान पर नौकरी करता है। शिकायत के मुताबिक 21 दिसंबर 2025 को उसके परिचित रवि ने फोन कर बताया कि वह बाहर खाना खाने जा रहा है। रवि ने एक सूटकेस में करीब 46 लाख रुपये नकद उसे सौंपे और चला गया। इसके बाद हरसिमरन सूटकेस लेकर कार से अपने एक परिचित के पास ज्ञान विहार कॉलोनी गया। हरसिमरन का आरोप है कि जैसे ही उसने परिचित के घर के पास कार रोकी तभी पीछे से एक बोलेरो कैंपर आकर रुकी। उसमें सवार तीन युवक हाथों में डंडे लेकर गाड़ी की तरफ दौड़े और मारपीट के इरादे से हमला कर दिया। आरोपियों ने कार के दोनों तरफ के कांच तोड़ दिए और फिर डिक्की से नकदी से भरा सूटकेस उठाकर पुष्कर रोड की ओर फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि उसने पीछा करने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने टक्कर मारने का प्रयास कर उसे डराया धमकाया और निकल गए।

मामले में देरी को लेकर पीड़ित ने पुलिस को बताया कि धमकी और भय के चलते उसने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। पुलिस अब इस देरी के कारणों के साथ-साथ नकदी की डिलीवरी, रूट और वारदात के समय स्थान से जुड़े तकनीकी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। जांच में सीसीटीवी फुटेज, आसपास के कैमरों की रिकॉर्डिंग, संदिग्ध वाहन की पहचान, कॉल डिटेल और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इतनी बड़ी नकदी किस उद्देश्य से और किसे पहुंचाई जा रही थी। बदमाशों को कार रुकने और सूटकेस की जानकारी कैसे मिली यह भी जांच का विषय है।

पूर्व सांसद भानुप्रकाश मिर्धा पंचतत्व में विलीन

जोधपुर, (कासं)। दिग्गज किसान नेता स्व. नाथूराम मिर्धा के बेटे और नागौर के पूर्व सांसद भानुप्रकाश मिर्धा पंचतत्व में विलीन हो गए। शुक्रवार को जोधपुर स्थित मिर्धा फार्म पर उनका सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे मनीष मिर्धा ने उन्हें मुखाग्नि दी। भानुप्रकाश मिर्धा का गुरुवार सुबह निधन हो गया था।

मनीष मिर्धा के मुताबिक, भानु प्रकाश मिर्धा ने गुरुवार सुबह करीब 10:45 बजे 72 साल की उम्र में अपने निवास पर ही अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शुक्रवार को पारिवारिक सदस्यों में ज्योति मिर्धा, प्रेमप्रकाश, रिछपाल मिर्धा, भूराराम, तेजपाल, विजयपाल सहित परिवार के सदस्य जोधपुर स्थित मिर्धा फार्म पर मौजूद रहे। पूर्व सांसद एवं किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। भानु प्रकाश मिर्धा का जन्म 27 मार्च 1953 को हुआ था। वे 11वीं लोकसभा के सदस्य रहे। वरिष्ठ किसान नेता नाथूराम मिर्धा के छोटे बेटे थे और पारिवारिक राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख चेहरों में शामिल रहे। 1996 में अपने पिता नाथूराम मिर्धा के निधन के बाद खाली हुई नागौर सीट पर 1997 में हुए उपचुनाव में उन्होंने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। चुनाव में अपने ही चाचा और कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री रामनिवास मिर्धा को हराया था।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
(आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com
क्रमांक : न.पा.सा./2025/4417-4419 दिनांक 26.12.2025

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.
UBN NO :- DLB2526WSOB28970
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सादड़ी
राज.संवाद/सी/25/16953

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
कार्या. अधीक्षण अभियंता (उत्पादन वृत्त), बांसवाड़ा, फोनः 02962-251252, मो. 9413349831

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैः- 05(RVU2526SSOB01910) सड़क, कूड़ेदान और शौचालय आदि की सफाई, 06(RVU2526WSOB01913) आरसीसी ओवरहेडटैंक को गिराने का कार्य एवं 07(RVU2526WSOB01911) भवनों में सिविल और सेनेटरी के कार्यों की दैनिक मरम्मत एवं रखरखाव। निविदा विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/16989 RVUN/PR-4317 अधीक्षण अभियंता (उत्पादन)

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लाईमस्टोन, 8, वेस्ट पटेल नगर, सर्किट हाउस रोड, जोधपुर- 342001(राज.)
फोन नम्बरः (0291)2511031/2516199 फैक्सः (0291)2511029, Email-jodhpur.rsmml@rajasthan.gov.in
दिनांक :- 01/01/2026

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस/प्रमुख एवंप्रभारी-एलएस/संविदा संविदा-09/2025-26 दिनांकः 31.12.2025 UBN No. MML2526SLOB00128	सानु लाईमस्टोन पर वृक्षारोपण एवं अन्य विभिन्न कार्यों हेतु पर्याप्त संख्या में अकुशल श्रमिक लगाकर संबंधित कार्य करवाना। अनुमानित मूल्य (रू.) 48.00 लाख धरोहर राशि (रू.) - 96,000/-, निविदा राशि- 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (खनन) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/25/16990 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
अविप्रा
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/राजकाज 19658188 दिनांक :- 31/12/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 49/2025-26

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि 700.33 लाख की ई-निविदा क्रम संख्या (1-2) दिनांक 27.01.2026, क्रम संख्या (3-5) दिनांक 15.01.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN : AJD2526WSOB00238 - 00241, AJD2526SSOB00242
राज.संवाद/सी/25/16974 अधिशाषी अभियन्ता

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in
Ref. No. : F-8() RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/1465 Dated :- 29/12/2025

Corrigendum / Addendum

Bid for item Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld), White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) are invited from interested bidders up to Date: 22.01.2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the Corrigendum / Addendum may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in. UBN: MSC2526GLOB00056
Raj.Samwad/C/25/16986 Executive Director (EPM)

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, वैर, भरतपुर
क्रमांक :- सीबीईओ/वैर/2025-26/203 दिनांक :- 01/01/2026

खुली निविदा सूचना संख्या 01 (सिविल)/2025-26

श्रीमान् संयुक्त शासन सचिव आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान जयपुर की स्वीकृति क्रमांक एफ 8(22) आ.प्र.एवं सहा./बाढ/प्रस्ताव/2025/राजकाज पत्रांक 18015274 दिनांक 26.09.2025 एवं कार्यालय जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भरतपुर (राजस्थान) द्वारा जारी वित्तीय स्वीकृति कमांक 2697 दिनांक 06.11.2025 द्वारा विद्यालय भवन सामान्य मरम्मत एवं रंगरोगन आदि हेतु जारी स्वीकृति के कार्य हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से कार्यालय मुख्य ब्लॉक षिक्षा अधिकारी ब्लॉक, वैर, भरतपुर में स्थित चयनित विद्यालय भवनों की मरम्मत एवं रंगरोगन के कार्य हेतु निविदा 03.01.2026 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 09.01.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाइट https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है | NIB Code- RSE2526A1514, UBN- RSE2526WSOB06193 To 06242
राज.संवाद/सी/25/17009 मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा वैर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति "फल सब्जी" कोटा
क्रमांक :- कृ.उ.म.स. (फ.स.)/स्टोर/2025-2026/2212 - 2226 दिनांक :- 31/12/2025

बिड आमंत्रण सूचना /2025-2026

कृषि उपज मण्डी समिति (फ.स.) कोटा द्वारा निम्नलिखित कार्यो के लिए (01 वर्ष) योग्य बोलीदाताओं से शर्त रहित ऑनलाईन में बोली आमंत्रित करती है।

क्र. सं	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)	बोली प्रपत्र शुल्क	बोली प्रतिभूति (लाखों में)
1.	मुख्य मण्डी प्रांगण की सुरक्षा हेतु सुरक्षाकर्मियों की आपूर्ति का कार्य दर अनुबंध DAM2526WSOB01113	85.00 (प्रतिवर्ष)	1180.00	1.70
2.	मुख्य मण्डी प्रांगण में सफाईकर्मी आपूर्ति दर अनुबंध DAM2526WSOB01114	75.00 (प्रतिवर्ष)	1180.00	1.50
3.	मुख्य मण्डी परिसर में श्रमिक आपूर्ति कार्य हेतु श्रमिकों की आपूर्ति दर अनुबंध DAM2526WSOB01115	18.00 (प्रतिवर्ष)	1180.00	0.36
4.	मानव संसाधन सेवाएँ (कम्प्यूटर ऑपरेटर विद मशीन) दर अनुबंध DAM2526WSOB01116	18.00 (प्रतिवर्ष)	1180.00	0.36

महत्वपूर्ण दिनांक एवं समय

क्र.सं.	विवरण	दिनांक एवं समय
1.	बोली आमंत्रण सूचना प्रकाशन एवं अपलोड	दिनांक 30.12.2025
2.	बोली प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय	दिनांक 30.12.2025 से 16.01.2026
3.	बोली प्रपत्र अपलोड अन्तिम तिथि	दिनांक 16.01.2026 सायं 06:00 बजे तक
4.	बोली दस्तावेज मण्डी समिति कार्यालय में भौतिक रुप से प्रस्तुत करने की तिथि	दिनांक 19.01.2026 दोपहर 12:00 बजे तक
5.	बोली खोलने की दिनांक	दिनांक 19.01.2026 दोपहर 01:00 बजे तक

बोली से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी) कोटा से प्राप्त की जा सकती है। बोली प्रपत्र राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
प्रशासक कृषि उपज मण्डी समिति फल-सब्जी, कोटा — सचिव कृषि उपज मण्डी समिति फल-सब्जी, कोटा
राज.संवाद/सी/25/17030

कार्यालय नगर पालिका मण्डल सुल्तानपुर जिला कोटा (राज.)
E-mail id – npsultanpur01@gmail.com Ph.No. 07455-294166
क्रमांकः-नपासु0/विकास/2025-26/2220-21 दिनांकः 29.12.2025

ई-निविदा-सूचना /2025-26

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 2218-19 दिनांक 29.12.2025 के द्वारा कुल 2 कार्य की अनुमानित लागत 34.55 लाख की जाती है। नगर पालिका सुल्तानपुर की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु नियमानुसार डीएलबी में सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों में A, AA श्रेणी में राज्य सरकार/केन्द्र सरकार से पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के सक्षम हो से ही ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB28967
2	DLB2526WSOB28969

राज.संवाद/सी/25/16965 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2025/9922 दिनांक :- 29.12.2025

:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 15.01.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2526WSOB28858) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/25/16930

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बसेडी (धौलपुर) राज0
E-mail id - baseri.jaipur21@gmail.com
क्रमांक : न.पा.ब./निर्माण/2025/2572 दिनांकः 31.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या - 12/2025-26

नगरपालिका द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में कराये जाने वाले निर्माण कार्यो हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 31.12.2025 से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 11.01.2026 समय सांय 06.00 बजे तक होगी। निविदा शुल्क, ई-टैण्डर शुल्क व अमानत शुल्क की राशि डी.डी. ड्राफ्ट द्वारा नगरपालिका बसेडी में दिनांक 12.01.2026 को समय प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक जमा कराना आवष्यक होगा। एवं तकनीकी निविदा दिनांक 13.01.2026 को खोली जावेंगीं। तकनीकी निविदा में सफल निविदादाता की ही वित्तीय विड खोली जावेंगी।

निविदा से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध होगी।

Nib code no :- DLB2526A9699

Sr. No.	UBN No.
1	DLB2526WSRC28961
2	DLB2526WSRC28962

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बसेडी
राज.संवाद/सी/25/16937

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन2-गानियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001
क्रमांक-F.32(B)(1)(After Policy-2025-26)EX/L/2025-04359/601 दिनांक-01.01.2026

पडत मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4(1)वित्त/आब/2025 दिनांक 29 जनवरी 2025 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 के प्रावधानानुसार पडत मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के लिये ई-निविदा प्रक्रिया से वर्ष 2025-26 के बन्दोबस्त करने हेतु निम्नानुसार ई-निविदाए आमंत्रित की जाती है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 02.01.2026 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 04.01.2026 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय, व स्थान	दिनांक 04.01.2026 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय

ई-निविदा में भाग लेने की शर्ते-

1. यह निविदा वेबसाईट https://www.sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएं वेबसाईट https://www.eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। ई-निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट, इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के तहत प्राप्त करना होगा, जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में लॉगिन/साइन करने हेतु काम में आयेगा। निविदादाता उपरोक्त डिजिटल सर्टिफिकेट सीसीए (CCA) द्वारा द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते है। जिन निविदादाताओं के पास पूर्व में वैद्य डिजिटल सर्टिफिकेट है उन्हें नया सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं है।
2. मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) का जिलवार एवं उनके आवेदन शुल्क, अनुमानित गारण्टी राशि, अमानत राशि, धरोहर राशि, पंजीकरण शुल्क का विवरण विभागीय वेबसाईट https://exeise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।
3. ई-निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) का फार्म डाउनलोड करके फार्म के साथ प्रक्रिया शुल्क, आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि के चालान राजकोष में ऑनलाईन/ऑफलाईन जमा करवाकर चालानों की प्रति अपलोड करनी होगी। इन राशियों के जमा नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता को निम्नलिखित राशियां उनके सामने उल्लेखित राजकोष मद में जमा करवानी होगी-

क्र.सं.	विवरण	राशि (रूपये में)	राजकोष लेखा मद
1	RISL की प्रक्रिया/पंजीकरण शुल्क	रू. 2000/-	8658-00-102-(16)-01 (सिविल विभाग)
2	आवेदन शुल्क	आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 के बिन्दु संख्या 2.6.1 के अनुसार रू. 50,000/- (2 करोड रूपये तक की आरक्षित राशि हतु) रू. 1,00,000/- (2 करोड रूपये से अधिक की आरक्षित राशि हेतु)	0039-00-501-01-00 (आवेदन शुल्क)
3	अमानत राशि	निर्धारित आरक्षित राशि का 2 प्रतिशत	8443-00-103-00-00 (प्रतिभूति जमा)

ई-प्रोक पोर्टल से प्रक्रिया शुल्क, निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का एक चालान जनरेट करने पर लेखा मद 0075-00-800-52-01 (निविदा प्रपत्र शुल्क) में राशि रू. एक रूपया जमा करवाकर आवेदन शुल्क का चालान पृथक से राजकोष में मद 0039-00-501-01-00 में जमा करवाया जा सकता है।

4. अनुमानित गारण्टी राशि से कम राशि की निविदा प्राप्त होने पर स्वीकृति के संबंध मं सक्षम स्तर से निर्णय लिया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने के समस्त अधिकार आबकारी आयुक्त को होंगे।
5. स्वीकृत निविदादाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस ई-निविदा के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तो जो विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है के अनुसार जमा करानी होगी।
6. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा धरोहर राशि अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
7. वर्ष 2025-26 के पात्र अनुज्ञाधारियों को क्रमश वर्ष 2026-27, 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तो पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
8. मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकेंगे जो राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्ग बनाए गए नियमो, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश, आबकारी नीति वर्ष 2025-29 तथा प्रारूप अनुज्ञा पत्र इत्यादि https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है जिनका ई-निविदा में भाग लेने से पूर्व भली भांति अध्ययन कर लेना चाहिए। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।
9. ई-निविदा के संबंध में अन्य प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।
10. ई-निविदा के संबंध में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो न्यायिक क्षेत्र संबंधित जिला ही रहेगा।

UBN-EXC2425GLOB00165
(शिवप्रसाद नकाते) आबकारी आयुक्त, राजस्थान
DIPR/C/27/2026

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
क्रमांक :- स्टोर (प्रशा.)/24 दिनांक :- 31.12.2025

ई-निविदा सूचना

नगर निगम, अजमेर द्वारा भोजन एवं नाश्ता की व्यवस्था हेतु निविदा विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि	निविदा शुल्क रूपये में	प्रोसेसिंग शुल्क रूपये में	बोली प्रतिभूति राशि 2 प्रतिशत	निविदा डाउनलोड करने की दिनांक व समय	निविदा ऑनलाईन भरकर देने की अन्तिम तिथि व समय	ऑनलाईन तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक व समय
भोजन एवं नाश्ता की व्यवस्था	15,00,000/-	1000/-	500/-	30,000/-	01.01.2026 दोपहर 3:00 बजे से	12.01.2026 दोपहर 1:00 बजे तक	12.01.2026 दोपहर 3:00 बजे

1. प्रोसेसिंग फीस/निविदा शुल्क/बिड सिक्यूरिटी राशि डी.डी./बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक से मान्य नही होगी।
2. शेष शर्तो की जानकारी निम्नलिखित वेबसाईड www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB code ANN2526A0192 and UBN is: ANN2526SLOB00249
उपायुक्त नगर निगम, अजमेर
राज.संवाद/सी/25/17017

सार-समाचार

गुरु गोविंद सिंह जयंती मनाई

अजमेर। गुरु गोविंद सिंह जयंती एवं वीर बाल दिवस के पावन अवसर पर नवपंख सामाजिक संस्था द्वारा 27 दिसंबर 2025 को ब्यावर रोड कच्ची बस्ती (एमएसटी के सामने) एवं माखुपुरा बाईपास क्षेत्र की कच्ची बस्तियों में जरूरतमंद बच्चों के साथ सादगीपूर्ण आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों के बीच भोजन वितरण किया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। संस्था ने सिख धर्म के दसवें गुरु, महान वीर एवं समाज सुधारक गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन, उनके त्याग, साहस और समानता के संदेशों पर चर्चा की। साथ ही वीर बाल दिवस के महत्व को बताते हुए साहिबजादा जोरावर सिंह एवं साहिबजादा फतेह सिंह के बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में बच्चों को न्याय, मानवता और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के मूल्यों से अवगत कराया गया। बच्चों ने नृत्य, गायन और भजन-कीर्तन में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा लंगर का आनंद लिया। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन सेवा, समानता और करुणा का संदेश देता है, जिसे अपनाकर ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के अंत में जरूरतमंद बच्चों के उज्ज्वल भविष्य हेतु निरंतर सामाजिक कार्य करने का संकल्प लिया गयाइस अवसर पर मनिंदर कौर, मयंक चावला, नितिन उप्पल, विजय शर्मा, राघव झा, प्रकाश चंद शर्मा, सौरभ जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक मूल्यों व संस्कारों का संदेश

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी आध्यात्मिक यात्रा प्रवास के अंतर्गत मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले स्थित स्वामी सुखरामदास जी वैदिक गुरुकुल, खाचरोद पहुंचे। यहां उन्होंने सनातन संस्कृति एवं श्रीमद्भगवद्गीता कार्यशाला में बच्चों के साथ सहभागिता कर आध्यात्मिक मूल्यों और संस्कारों का संदेश दिया। कार्यशाला के दौरान मार्गदर्शक युवा संत श्री रामानुराग रामसनेही, गौ वत्स लाल जी महाराज सहित बड़ी संख्या में सनातन अनुयायी उपस्थित रहे। विधायक कोठारी ने बच्चों से संवाद कर उन्हें भारतीय संस्कृति, गीता के जीवनोपयोगी संदेशों और नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।परम गौ भक्त, सेवाभावी, समाजसेवी, करुणामई, ऊर्जावान एवं लोकप्रिय जननेवक के रूप में पहचाने जाने वाले विधायक अशोक कोठारी ने अपने आध्यात्मिक प्रवास के दौरान गौ माता के सम्मान, सेवा एवं संरक्षण के विषय में परम पूज्य महाराज अवधेश चेतन दास जी से आशीर्वाद प्राप्त कर मार्गदर्शन लिया। उन्होंने कहा कि गौ-संरक्षण भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

गांवों में बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ होना जरूरी : यूनुस खान

- पंचायतों का समग्र विकास ही डीडवाना को प्रदेश की अग्रिम पंक्ति में लाएगा : विधायक यूनुस खान
- 'जब तक सरकार की योजनाओं का लाभ गांव-ढाणी तक नहीं पहुँचेगा, तब तक विकास अधूरा ही रहेगा'
- विकास कार्यों के उद्घाटन के साथ श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

डीडवाना, (निसं)। क्षेत्र की पंचायतों का समग्र विकास ही डीडवाना विधानसभा क्षेत्र को प्रदेश की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करेगा। जब तक सरकार की योजनाओं का लाभ गांव-ढाणी तक नहीं पहुँचेगा, तब तक विकास अधूरा ही रहेगा। यह बात क्षेत्रीय विधायक यूनुस खान ने बेगसर पंचायत मुख्यालय पर विभिन्न विकास कार्यों के फीता काटकर उद्घाटन के पश्चात अपने संबोधन में कही।

विधायक खान ने कहा कि वास्तविक विकास की सर्वाधिक आवश्यकता गांव-ढाणी में है, जहाँ मूलभूत आधारभूत ढांचे का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। देश की बड़ी आबादी गांवों में निवास करती है, ऐसे में अस्पताल, विद्यालय, सड़क, बिजली, पानी एवं परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विकास बनने के बाद उन्होंने स्वयं से वादा किया है कि वे निरंतर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करेंगे, क्योंकि उनका मूल्यांकन वे अपनी अंतरात्मा से करते हैं।इसके पश्चात विधायक यूनुस खान बेगसर बालाजी धाम में आयोजित पौष बड़ा कार्यक्रम में शामिल हुए।

उन्होंने भक्तजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वर्गीय पंडित देवीदत्त के पौत्र विनोद गौड़ को दादाजी के समान वेश-भूषा में देखकर प्रतीत होता है कि बालाजी महाराज ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर ली है और अब गांव का विकास निश्चित रूप से होगा। इस अवसर पर तीन वर्ष पूर्व बालाजी के चरणों में रखा गया नारियल विधायक खान के हाथों से खुलवाया गया, जिसकी लिखित बातें सत्य सिद्ध होने पर वे भावुक हो गए।डीडवाना के निकटवर्ती ग्राम आस की ढाणी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक खान ने कहा कि राजनीति में कई नेता चुनाव जीतने के बाद स्वयं को राजा समझने की भूल कर बैठते हैं, जबकि यही सोच आगे चलकर परेशानी का कारण बनती है। उन्होंने कहा, मैं एक गरीब किसान परिवार से आया हूँ, इसलिए गांव, स्वच्छता और आमजन की जरूरतों का मुझे भली-भांति अनुभव है।विधायक खान इन दिनों चार दिवसीय क्षेत्रीय दौरे पर हैं, जिसके तहत वे विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ एवं उद्घाटन कर रहे हैं। आस की ढाणी में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में 7 लाख 50 हजार रुपये की लागत से निर्मित कक्षा कक्ष का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, चिकित्सा और शिक्षा आज भी सबसे अहम मुद्दे हैं, जिन पर और अधिक गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के पश्चात विधायक खान ग्रामीणों के साथ पैदल ही गांव की गलियों में निकले। गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताई और स्वयं फावड़ा उठाकर सफाई कार्य में जुट गए। करीब दो घंटे तक श्रमदान कर उन्होंने स्वच्छता का संदेश दिया, इस दौरान बड़ी संख्या में युवा पूरे जोश और उत्साह के साथ उनके साथ जुड़े रहे।

निर्माण हेतु एक करोड़ इकतीस लाख रुपए के विपुल अर्थसहयोग की घोषणा

ब्यावर (निसं) प्रेक्षा प्रणेता युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के ब्यावर की पावनधरा पर पधारने को चिरस्थायी बनाने एवं महिला शिक्षा के उन्नयन के लिए श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय ब्यावर के भौतिक उन्नयन में वातानुकूलित सर्वसुविधायुक्त तृतीय तल के नव निर्माण हेतु ब्यावर जिले के मूल निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी, धर्मपरायण दानवीर भामाशाह पुखराज बडोला - मधु बडोला एवं उनके सुपुत्र भामाशाह जितेन्द्र कुमार, मुकेश कुमार एवं श्रेयांश बडोला, चैन्नई द्वारा समिति अध्यक्ष सुनील खेतपालिया की प्रेरणा से अपने संचित धन का सर्वोत्तम उपयोग महिला शिक्षा उन्नयन एवं शैक्षणिक सुविधाओं की अभिवृद्धि करने के लिए एक करोड़ इकतीस लाख रुपए के विपुल अर्थसहयोग की घोषणा की। भामाशाह परिवार के सभी सदस्यों का सम्मान माला पहनाते हुए शॉल, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर समिति अध्यक्ष सुनील खेतपालिया एवं मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख द्वारा किया गया।श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने अपने उद्बोधन में दानशीलता को पारिवारिक आनुवांशिक गुण बताते हुए भामाशाह परिवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की एवं शिक्षण संस्थान एवं महिला शिक्षा के क्षेत्र में बडोला परिवार द्वारा उदारतापूर्वक किये गये योगदान की प्रशंसा की।

सड़क सुरक्षा की दी जानकारी, वाहनों के लगाए रिफलेक्टर

शाहपुरा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी अनिल कायथ ने बताया की जिला स्तर पर प्रतिदिन सड़क सुरक्षा गतिविधि आयोजित की जाएगी।1 जनवरी 2026 को वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा की पालना करने हेतु समझाइश की गई साथ ही विभिन्न प्रकार के वाहनों पर रिफेक्टर टेप लगाए गई। जिला परिवहन कार्यालय में आने वाले वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के नियम और ट्रैफिक रूल्स के बारे में जागरूक किया गयासाथ ही कार्यालय में वाहन एवं लाइसेंस संबंधित सेवाओं के लिए आने वाले व्यक्तियों के साथ ही कार्यालय में सड़क सुरक्षा संबंधित बिंदुओं पर सामान्य वार्तालाप बैठक का आयोजन किया गया।

NAME CHANGE

I Army No. 14853056L Rank - SEP Name - SOMIREDDI RAMU Serving in indian Army I have changed my Son Name in my Army service record SOMI REDDI JASWIN to SOMIREDDI JASWIN Vide Affidavit No. CA 924702 Before Court Nasirabad.

NAME CHANGE

I Army No. 14853056L Rank - SEP Name - SOMIREDDI RAMU Serving in indian Army I have changed my Son Name in my Army service record SOMI REDDI JASWANTH to SOMIREDDI JASWANTH Vide Affidavit No. CA 924701Before Court Nasirabad.

प्रोत्साहन हेतु मांगे आवेदन, अंतिम तिथि 10 जनवरी

- कॉलेजों के वोटर क्लब होंगे सम्मानित

अजमेर। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 को जिले में मतदाता जागरूकता के मोर्चे पर सक्रिय रहे महाविद्यालयों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने तय किया है कि इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एक राजकीय और एक निजी महाविद्यालय के मतदाता साक्षरता क्लब को जिला स्तर पर सम्मानित व पुरस्कृत किया जाएगा, इसके लिए विभिन्न श्रेणियों में आवेदन 10 जनवरी तक मांगे गए हैं। सक्रिय क्लबों को आवेदन जिला परिषद स्थित जिला स्वीप प्रकोष्ठ में कार्यालय समय में जमा कराने होंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी लोक बंधु के अनुसार इस बार चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और दस्तावेज आधारित बनाने के लिए दो स्तरीय व्यवस्था तैयार की गई है। पहले चरण में आवेदन जांच एवं प्रमाणीकरण समिति प्राप्त प्रविष्टियों की जांच करेगी और सूचनाओं का सत्यापन कर श्रेणीवार समेकित व तुलनात्मक विश्लेषण तैयार करेगी। इस समिति के अध्यक्ष जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व पदेन जिला स्वीप प्रभारी अधिकारी होंगे। समिति में अजमेर उत्तर के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, तहसीलदार, जिला स्वीप समन्वयक रामविलास जांगिड़, सीबीईओ श्रीनगर, सहायक निदेशक क्षेत्रीय कार्यालय कॉलेज शिक्षा अजमेर संभाग व संभाग स्तरीय नोडल स्वीप प्रभारी अधिकारी को सदस्य रखा गया है। दूसरे चरण में अंतिम चयन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में चयन समिति गठित की गई है,जिसमें उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पदेन जिला स्वीप प्रभारी) सदस्य होंगे। तहसीलदार निर्वाचन सुरेन्द्र चयन समिति को सहयोग प्रदान करेंगे।

तेजाजी मंदिर और श्रीजी मंदिर में पौषबड़ा महोत्सव आज

अराई, (निसं)। सदर बाजार स्थित तेजाजी मंदिर और श्री कल्याणराय मन्दिर में शनिवार को श्रद्धा और आस्था के साथ पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा और विशेष धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। आयोजन को लेकर भक्तों में उत्साह का माहौल है। तेजाजी भक्त शिवराज चुरनिया ने बताया कि शनिवार दोपहर 1.15 बजे लोकदेवता वीर तेजाजी को विधिविधान से भोग अर्पित किया जाएगा। भोग लगाने के पश्चात मंदिर परिसर में महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

NAME CHANGE

I, Army No. JC 858288X, Sub (dmt) Anil Kumar Yadav, Residing at Khiradih, Dumariabuzurag, Gogari, Khagaria, Bihar 851216 have change my Son name from Yaswant Kumar to Yashwant Kumar vide affidavit no. CA 834295 dt 31/12/2025 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Kailee Devi Mother of Army No. JC 858288X, Sub (dmt) Anil Kumar Yadav, Residing at Khiradih, Dumariabuzurag, Gogari, Khagaria, Bihar 851216 have change my name from Kailee Devi to Kaili Devi vide affidavit no CA 836826 dt 02/01/2026 at court campus Nasirabad

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

भीलवाड़ा। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधु के निर्देशानुसार ए डी एम (शहर)प्रतिभा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संपर्क पोर्टल पर विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रतिभा ने बैठक में बिजली विभाग, नगर परिषद, कृषि, पशुपालन, सहकारिता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, पीएचईडी, चिकित्सा विभाग, कृषि, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों के संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को लंबित प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के दिशा-निर्देश दिए। साथ ही कहा कि संपर्क पोर्टल पर किए गए निस्तारण की समीक्षा की जाएगी और अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। इस दौरान बैठक में समस्त संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वार्ड का परिसीमन सही करवाने की मांग की

मसूदा, (निसं)। ग्रामीणों ने मसूदा उपखंड अधिकारी दीपशिखा कालवी को एक लिखित शिकायत दी जिसमें उन्होंने बताया है कि ग्राम पंचायत मायला में पूर्व में ग्राम मोतीपुरा को दो वार्ड नं. 6 व 7 थे अब नव सृजित ग्राम पंचायत सालरमाला में ग्राम मोतीपुरा को जोडकर वार्डो के पुर्न गठन में ग्राम मोतीपुरा को एक ही वार्ड में कर दिया है। जिससे ग्रामवासियों में रोष है। जब कि ग्राम सालरमाला व ग्राम मोतीपुरा के मतदाताओं की संख्या लगभग बराबर है। जिसमें एस.आई.आर के अनुसार ग्राम सालरमाला के मतदाता 656 एवं ग्राम मोतीपुरा के 631 जिसमें सालरमाला में तीन वार्ड एवं ग्राम मोतीपुरा को दो वार्ड से एक वार्ड में कर दिया है। जिसमें ग्रामवासियों की मांग है।

एलसी-1 फाटक पर आरओबी पाइलिंग का काम शुरू

- सुभाष नगर रेलवे फाटक बंद, प्रशासन ने किया ट्रैफिक डायवर्जन

अजमेर। सुभाष नगर रेल फाटक (एलसी-1) पर अंडरपास के बाद अब लंबे समय से अधूरा पड़ा आरओबी का निर्माण कार्य आरंभ हो गया है। फाटक के पास आरओबी के पिलर खडे करने के लिए खुदाई कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसके चलते रेल फाटक को फिलहाल बंद कर दिया गया है। स्थानीय लोगों को आवाजाही के लिए केवल अंडरपास का उपयोग करना होगा,जबकि भारी वाहनों को शहर की तरफ आने-जाने के लिए आदर्श नगर या जौसगंज मार्ग अपनाना पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार रेल लाइन के दोनों तरफ एक-एक मुख्य पिलर तैयार होगा। पाइल फाउंडेशन पूरा होने के बाद पिलर निर्माण और फिर आरओबी की दोनों तरफ बनी भुजाओं को जोड़ने की प्रक्रिया रेलवे के सुपरविजन में होगी। इस कार्य को पूरा करने में करीब 6 से 7 माह लग सकते हैं। तब तक फाटक क्षेत्र से भारी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। अंडरपास से फिलहाल दुपहिया और हल्के चारपहिया वाहन निकल सकेंगे।

रेलवे फाटक पर प्रतिदिन करीब 50 ट्रेनें गुजरती हैं। इनमें लगभग 30 यात्री ट्रेनें और शेष मालगाड़ियां शामिल रहती हैं। पहले फाटक बार-बार बंद होने पर दुपहिया वाहन चालकों को भी लंबी कतारों में फंसना पड़ता था, क्योंकि तब अंडरपास की सुविधा नहीं थी। अंडरपास चालू होने के बाद हल्के वाहनों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन आरओबी पूरा होने तक भारी वाहनों का डायवर्जन शहर के दूसरे हिस्सों विशेषकर आदर्श नगर और जौसगंज पर अतिरिक्त दबाव रहेगा।

संगठन विस्तार को लेकर जनसम्पर्क किया

ब्यावर (निसं) आम आदमी पार्टी ब्यावर के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष शौकीन काठात द्वारा ग्रामीण क्षेत्र गांव, मादलिया, रेल्डा, नानाना, लोहारों का बाडिया बूटीवास, मेहराते, बाडिया और टुकड़ा आदि क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क किया। आम आदमी पार्टी की विचारधारा से प्रेरित होकर कई साथियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की जिसमें बगदाराम जाट, निसार खान, समीर काठात, पारस मेहरा और मदन सिंह सहित कई नए कार्यकर्ता पार्टी से जुड़ेइस मौके पर ओबीसी जिला अध्यक्ष बाबूलाल सेन, सियाराम सिंगारिया, धीरज जैन, राजू सिंह रावत,आदि मौजूद रहे।

डॉ. कुणाल गहलोत को नई दिल्ली में पोस्टिंग मिलने पर किया सम्मान

भीलवाड़ा। नगर निगम के सफाई स्वास्थ्य निरीक्षक राजकुमार गहलोत के सुपुत्र डॉ. कुणाल गहलोत ने अमेरिका के शिकागो, बाल्टीमोर और मिशिगन मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कि पढ़ाई पूरी कि तथा अमेरिका के महिन मेडिकल कॉलेज से एक्सप्रिंस लिया। इसके बाद जब कुणाल गहलोत कि कि पढ़ाई पूरी हुई तो भारत से डॉक्टर कि डिग्री हासिल कर सामान्य श्रेणी से 13 वां और एससी वर्ग से ऑल इंडिया लेवल पर प्रथम स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया और इस महान उपलब्धि के बाद डॉक्टर कुणाल गहलोत ने न केवल उनके परिवार बल्कि संपूर्ण वाल्मीकि समाज को गौरवान्वित किया।

इस खुशी के मौके पर सभी मित्रों, रिश्तेदारों और समाज बंधुओं ने डॉ गहलोत को घर जाकर बधाई देकर खुशी जताई। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश देसाई ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. कुणाल गहलोत ने लगन, कठिन परिश्रम और संघर्ष के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी यह सफलता समाज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और यह सिद्ध करती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। राकेश देसाई ने बताया कि डॉ. कुणाल गहलोत ने यह उपलब्धि हासिल करके न केवल उनके माता-पिता और परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि संपूर्ण वाल्मीकि समाज सहित दलित समाज की युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने का संदेश दिया है। डॉ. गहलोत ने युवा वर्ग को संदेश दिया कि कोशिश करने वालों कि कभी हार नहीं होती, कुछ भी करने ए जमाना, अगर ठान लिया, जीवन में कुछ कर दिखाने का, तो जब तक लक्ष्य पूरा ना हो तब तक कोशिश करते रहिए।

अधिवेशन 4 को

अजमेर। महावीर इंटरनेशनल अजमेर जोन का अधिवेशन 4 जनवरी को कुचामन सिटी में होगा। अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार रांका एवं रीजन-3 के उपनिदेशक कमल गंगवाल ने बताया कि अजमेर जोन के सभी 14 केंद्र अधिवेशन की तैयारियों में जुटे हैं। जोन चेयरमैन बाबूलाल जैन एवं अजयमेरू केंद्र के चेयरमैन गजेंद्र पंचोली ने बताया कि अधिवेशन में प्रत्येक केंद्र के उत्कृष्ट कार्यकर्ता को सम्मानित किया जाएगा। अजयमेरू केंद्र के सचिव लोकेश जैन सोजतिया एवं पदाधिकारी केंद्र की सचिव निकिता पंचोली ने बताया कि अजमेर शहर के छह केंद्रों से सदस्यों के लिए बस व्यवस्था की गई है।

शीतलहर से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

- कड़ाके की ठंड में सतर्कता ही सुरक्षा, शीतलहर से बच्चों, बुजुर्गों, बीमार व गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सावधानी जरूरी

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले में जारी शीतलहर के बीच स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामकेश गुर्जर ने कहा कि ठंड के इस मौसम में जरा-सी लापरवाही गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। विशेष रूप से छोटे बच्चों, बुजुर्गों, पहले से बीमार व्यक्तियों एवं गर्भवती महिलाओं को शीतलहर से बचाना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गुर्जर ने बताया कि वर्तमान मौसम में सर्दी, खांसी, जुकाम व बुखार जैसे संक्रमण तेजी से फैलते हैं। ऐसे में नियमित रूप से गर्म कपड़े पहनना, शरीर को पूरी तरह ढककर रखना एवं अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना जरूरी है। कई बार दिन में हल्की धूप के कारण लोग गर्म कपड़े पहनना बंद कर देते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है।डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रवीण झरवाल ने बताया कि मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है। जिले के समस्त चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों पर मौसमी बीमारियों की जांच, उपचार एवं आवश्यक दवाइयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही जिला, ब्लॉक एवं पीएचसी स्तर पर आयोजित बैठकों में चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग स्टाफ एवं आशा कार्यकर्ताओं को शीतलहर से बचाव संबंधी जानकारी आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. सुरेश चौधरी ने बताया कि खांसी-जुकाम या बुखार के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं इलाज न करें, बल्कि तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जांच कराएं और चिकित्सक से उपचार लेवें। नियमित रूप से हाथ धोने, साफ-सफाई रखने और पौष्टिक भोजन लेने से संक्रमण से बचा जा सकता है। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना को देखते हुए सभी को विशेष एहतियात बरतनी चाहिए।

शीतलहर के प्रमुख लक्षण- शीतलहर से प्रभावित व्यक्ति में शरीर का अत्यधिक ठंडा पड़ जाना, हाथ-पैर सुन्न हो जाना, नाड़ी की गति धीमी होना, रोएं खड़े हो जाना एवं सांस तेज चलना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। समय पर उपचार नहीं मिलने पर स्थिति जानलेवा भी हो सकती है।

शीतलहर से बचाव के लिए आवश्यक उपाय- दिन के समय ही बाहर निकलें, अनावश्यक रात्रि में बाहर जाने से बचें। बच्चों व बुजुर्गों को ऊनी कपड़ों से पूरी तरह ढककर रखें। खुले में रहने वाले जरूरतमंद लोग रैन बसेरा या सुरक्षित स्थानों पर रात्रि विश्राम करें, आमजन सहयोग करें। अलाव, अंगीठी या हीटर का उपयोग सावधानीपूर्वक करें, सोते समय इन्हें बंद रखें। कमरे में ताजा हवा के लिए वेंटिलेशन बनाए रखें। गर्म व सुपाच्य भोजन करें, गुड़, तिल, चाय, कॉफी जैसे गर्म पदार्थों का सेवन करें।हल्का व्यायाम एवं तेल मालिश लाभकारी है। शीतलहर से प्रभावित व्यक्ति को तुरंत कंबल से ढकें, गर्म पानी की थैली से सेक दें और चिकित्सालय ले जाएं। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि शीतलहर को गंभीरता से लें, स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी जागरूक करें।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अंतरिती की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा नियमितीकरण/सम्पत्ति हस्तान्तरण हेतु आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की जे पी नगर मदार योजना केआवासीय भूखण्ड संख्या 139 क्षेत्रफल 45 वर्ग मीटर के आवंटी/अंतरिती सुश्री सुमित्रा जाखड़ पुत्री स्व. निरंजन सिंह निवासी 139 जे पी नगर मदार अजमेर की मृत्यु दिनांक 26/5/2024 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः 1. सुश्री चन्द्रकला पुत्री स्व. निरंजन सिंह 2. निर्मल सिंह जाखड़ 3. कमल सिंह जाखड़ पुत्रगण स्व. निरंजन सिंह जाखड़ निवासी 1-क/3 जे पी नगर मदार अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार विमल कुमार पुत्र स्व. निरंजन सिंह जाखड़ निवासी 1-क/3 जे पी नगर, 138 सेक्टर 1 जे पी नगर मदार अजमेर के पक्ष में निष्पादित रजिस्ट्रीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 31/12/2025 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर मय आपत्ति प्रमाणित कार्यालय में दर्ज करावें उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/25-26/611 दिनांक-02.01.26

आम सूचना

सैयद शाहुदीन पुत्र श्री सैयद जलालुद्दीन निवासी 228 जलाल मंजिल रौशन मौहल्ला दरगाह शरीफ अजमेर द्वारा एक सम्पत्ति ए.एम.सी. नं. 6/418 जो है जो डिग्गी चौक मौहल्ला नला बाजार अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 36.18 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु नियमित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार है-

पूर्व- रास्ता आम गली — उत्तर- जायदाद श्री इन्द्रमल पुत्र श्री नानूराम
पश्चिम- जायदाद श्री रामेश्वरलाल पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण की — दक्षिण- रास्ता आम गली

अतः उपरोक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में अगर किसी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान

क्रमांक - न.प.पु./भूमि/2025/501 दिनांक - 02-01-26

उजरदारी सूचना

निम्न आवेदक ने अपनी वसीयत/बख्शीशगुदा/आवंटित सम्पति के भवन मानचित्र हेतु नगर परिषद पुष्कर में आवेदन किया है, जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि को उक्त कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर ठोस सबूत मय दस्तावेज के आधार पर नगर परिषद पुष्कर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं परिषद द्वारा अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति का नाम	स्थान	चतुर्थ सीमा
1	श्री गोविन्दराम दायमा पुत्र श्री गुलाबचंद दायमा	आवासीय मकान वार्ड संख्या 15 बस्ती स्कूल के पास, देवनगर रोड बड़ी बस्ती पुष्कर	पूर्व-श्री गुलाबचंद जी दायमा का मकान पश्चिम- मैन रोड उत्तर- मोलाबक्स का मकान दक्षिण- सरदार सिंह राजावत का मकान

आयुक्त, नगर परिषद पुष्कर

कार्यालय नगर परिषद पुष्कर जिला अजमेर राजस्थान

क्रमांक - न.प.पु./भूमि/2026/504 दिनांक - 02-01-26

उजरदारी सूचना

निम्न आवेदक ने अपनी खरीदशुदा/पट्टाशुदा सम्पति के उपविभाजन हेतु नगर परिषद पुष्कर में आवेदन किया है, जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि को उक्त कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर ठोस सबूत मय दस्तावेज के आधार पर नगर परिषद पुष्कर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं परिषद द्वारा अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति का नाम	स्थान	क्षेत्रफल	चतुर्थ सीमा
1	रोहित कुमार गोयल पुत्र श्री महावीर प्रसाद	खसरा नं. 3225/2975 नागौर रोड गनाहेड़ा पुष्कर	779.79 वर्गगज में से 359.89 वर्ग मीटर बाबत	पूर्व-खसरा नं. 1775 / 2380 की भूमि पश्चिम - रोड उत्तर- खसरा नं. 1775 की भूमि दक्षिण-ख.नं. 3395 /3225 की भूमि

- आयुक्त, नगर परिषद पुष्कर

कार्यालय ग्राम पंचायत कटसूरा, पंचायत समिति अराई, अजमेर

क्रमांक : ग्रा.प.क./निर्माण/2025-26/98 दिनांक: 02.01.2026

सीमित निविदा सूचना

पंचायत समिति अराई की अधीनस्थ ग्राम पंचायत कटसूरा में कार्य का नाम 1.ग्राम पंचायत कटसूरा जाखड़ों की ढाणी में पथवारी में सुंडा जाट के खेत से शिव मंदिर की ओर सीसी ब्लॉक रोड मय नाली निर्माण कार्य हेतु सिमित निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in देखा जा सकता है।

NIB NO- 1.ZAJ2526A1618
UBN NO- ZAJ2526WSLB01713

प्रशासक, ग्राम पंचायत कटसूरा, पं.स. अराई, (अजमेर) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कटसूरा, पं.स. अराई, (अजमेर)

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जहाजपुर (भीलवाड़ा)

क्रमांक: नपाज/भूमि/2025-26/5917 -आपत्ति आमंत्रण सूचना- दिनांक: 02-01-2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्ति द्वारा स्वयं खातेदार की खसरा भूमि को भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 क के अधीन गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए अनुज्ञा/संपरिवर्तित भूमि के आवंटन के लिए नगर पालिका जहाजपुर में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है उक्त बाबत किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में मय ठोस सबूत कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

क्र.सं.	आवेदक/खातेदार का नाम व पता	स्थान	आराजी खसरा/हैक्टयर	प्रयोजनार्थ
1	1. श्रीमती सुमन बागड़ पत्नि श्री कमल बागड़, निवासी जहाजपुर हल्का जहाजपुर ,जिला भीलवाड़ा	राजस्व ग्राम व पटवार हल्का जहाजपुर जि. भीलवाड़ा स्थान देवली से शाहपुरा रोड 60 मीटर	खसरा सं.-2762/2 रकबा 0.1052 हैक्टयर में से 580 वर्गमीटर	वाणिज्यिक हेतु

-अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका जहाजपुर

LSG/BEAWAR/MUT/167896 DATE :- 02.01.2026 रजि बख्शीश-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/10721 दिनांक-02-01-26

सार्वजनिक सूचना

श्री जितेन्द्र सैन पुत्र श्री रामनिवास सैन निवासी ब्यावर ने क्षेत्र न. 6/संथेती फैक्ट्री गली नं. 03 मकान नं. 29 का भाग ग्रा. नं. ए व बी क्षेत्रफल 90.00 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्रीमती तारा देवी सैन पत्नि श्री रामनिवास सैन के नाम दर्ज है। रजि बख्शीश-नामा दिनांक 16.12.2025, व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। - आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/1673208 DATE :- 01.01.2026 रजि वसीयत-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/10726 दिनांक-01-01-26

सार्वजनिक सूचना

श्री दिनेश कुमार तंवर पुत्र श्री गंगाराम निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 1/तंवर कॉलोनी नया नगर खसरा नं. 751 प्लाट नं. 01 क्षेत्रफल 211.81 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री गंगाराम पुत्र श्री महाराम तंवर के नाम पट्टा विलेख जारी है। रजि वसीयत-नामा 20.12.2006, मृत्यु प्रमाण पत्र व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। - आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/167921 DATE :- 02.01.2026 रजि बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/10725 दिनांक-02-01-26

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती आशा बानो पत्नी श्री रमजान खान निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 6/सब्जपुरी कॉलोनी खसरा नं. 1092 प्लाट नं 02 क्षेत्रफल 150.58 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री विष्णुकान्त शर्मा पुत्र श्री छोगालाल शर्मा के नाम पट्टा विलेख जारी है। रजि बेचान-नामा 16.09.2008, 27.11.2025 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी। - आयुक्त, नगर परिषद ब्यावर

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्र. सं. 10 जयपुर (प्रथम) सांगानेर, जयपुर

सुमन वर्मा विरुद्ध लोकेश

वाद/प्रार्थना पत्र U/s 13(1) (A) HMA, प्रार्थना पत्र संख्या 656/2024 सन् नाम लोकेश पुत्र सेवाराम जाति .... पता ग्राम- देवली, तहसील- परबतसर, जिला नागौर, राजस्थान। मो. 7988054225 उक्त .... है इस न्यायालय में आवेदन किया है कि..... है। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हेतुक दर्शित करने के लिए दि. 24 माह 03 सन् 2026 को 10:00 AM पूर्वाह्न में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 06 माह 12 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

(मुहर) आज्ञा से शिरस्तेदार अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश, संख्या-10, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

खेल जगत

सरफराज खान ने केवल टेस्ट में इंटरनेशनल डेब्यू किया है। वह वनडे और टी20 में जगह नहीं बना पाए हैं। हालांकि उनका प्रदर्शन दोनों फॉर्मेट में कमाल का है। - **दिलीप वेंगसरकर**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, सरफराज खान को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — **साई सुदर्शन**

गुजरात टाइटन्स के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को 2025-26 में खेलते समय दाहिनी पसली में चोट लगी है। रन लेने के दौरान की गई डाइव के कारण उन्हें छोटी, अविकसित फ्रैक्चर हुआ। इसके चलते वह टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हैं और फिलहाल के, बेंगलुरु में चोट का इलाज करवा रहे। 2026 की तैयारियों के बीच गुजरात टाइटन्स के फैन्स के लिए अच्छीखबर नहीं है। युवा और धाकड़ बल्लेबाज साई सुदर्शन को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते समय पसली में चोट लग गई है. वह टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... ब्रायन लारा की गिनती दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों में होती है। वेस्टइंडीज के इस पूर्व बाएं हाथ के बल्लेबाज के नाम टेस्ट की एक इनिंग में सबसे बड़ी पारी खेलने का विश्व कीर्तिमान है।

शुअर्ड मारिन भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच बने

नई दिल्ली, 2 जनवरी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को शुअर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। यह डच कोच टोक्यो ओलंपिक खेलों में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं, जहां टीम ने 36 से अधिक सालों में इस चार साल के स्पर्धा में केवल दूसरी बार हिस्सा लेते हुए चौथा स्थान हासिल किया था। मारिन को एनालिटिकल कोच के तौर पर मटियास विला का समर्थन करेंगे। विला अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर हैं, जिन्होंने 1997 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था और उन्होंने अर्जेंटीना के लिए सिडनी ओलंपिक 2000 और एथेंस ओलंपिक 2004 में हिस्सा लिया था। वह पिछले दो दशकों से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। भारतीय हॉकी में डॉ. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और एथलेटिक परफॉर्मेंस के प्रमुख के तौर पर वापसी कर रहे हैं। उन्हें रोडेट यिला और सियारा यिला, दोनों साइंटिफिक एडवाइजर के तौर पर सपोर्ट करेंगे। 2017 से 2021 के बीच ऐतिहासिक कार्यकाल के बाद भारत लौटने पर, जब भारतीय महिला टीम वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंची थी। अपनी नियुक्त को लेकर मारिन ने कहा, ''वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद, मैं नई ऊर्जा और एक स्पष्ट विजन के साथ टीम के विकास में मदद करने और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद करने के लिए वापस आया हूं।''

अमीरा का रोमांचक स्वर्ण, पुरुष ट्रैप में जुहैर खान ने जीता गोल्ड

भोपाल/नई दिल्ली, 2 जनवरी। हरियाणा की अमीरा अरशद ने दबाव में संयमित प्रदर्शन करते हुए भोपाल स्थित मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता (राइफल) के 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल में नाटकीय अंदाज में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने रेलवे की राजश्री अनिलकुमार संचेती को महज 0.1 अंक के बेहद करीबी अंतर से पछाड़ा। वहीं, दिन के बाद के सत्र में नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में उत्तर प्रदेश के जुहैर खान ने 68वीं एनएससीसी (शॉटगन) के पुरुष ट्रैप इवेंट में 43 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। महिला फाइनल में अमीरा ने 251.9 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि संचेती 251.8 के साथ रजत पदक पर रहीं। छत्तीसगढ़ की प्रांजु श्री सोमानी ने 230.5 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। तिलोत्तमा सेन 208.9 के साथ चौथे स्थान पर रहीं, इसके बाद काजल कुमारी (187.9) और साक्षी सुनील पडेकर (166.2) का स्थान रहा। हरियाणा की रमिता 145.1 के साथ सातवें स्थान पर रहीं, जबकि क्वालिफिकेशन में 632.5 के साथ शीर्ष पर रहने वाली प्रेरणा पद्माकर मोरे 122.7 के साथ आठवें स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन में प्रेरणा पद्माकर मोरे और प्रांजु श्री सोमानी ने समान 632.5 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल किया।

दक्षिण अफ्रीका के टी-20 विश्वकप दल में रबाडा की वापसी, कप्तानी एडन मारक्रम के हाथों में

केप टाउन, 2 जनवरी। लगभग 10 हफ्ते तक पसली की चोट के कारण मैदान से बाहर रहने के बाद कगिसो रबाडा की भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी-20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में उनकी वापसी हुई है जबकि दिग्गज बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को नजरअंदाज किया गया। चयनकर्ताओं ने टीम की कप्तानी एडन मारक्रम के हाथों में सौपी है। रबाडा के अलावा टीम में पांच तेज गेंदबाजों एनरिख नॉर्खिए, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, लुंगी एन्गिडी और 19 वर्षीय वेना मफाका शामिल हैं। मफाका और बॉश उन सात खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो पहली बार विश्व कप में खेलेंगे। इन दोनों के अलावा बल्लेबाजों में डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डीजॉर्जी, जेसन स्मिथ, ऑलराउंडर में जॉर्ज लिंडे और डॉनोवन फरेरा को भी दल में जगह दी गई हैं।

टीम में क्विंटन डी कॉक की वापसी हुई है और इसके अलावा जून 2024 में भारत के खिलाफ बारबाडोस के फाइनल में हारने वाली टीम से डेविड मिलर, केशव महाराज, यानसन और नॉर्खिए टीम में हैं। रीजा हेंड्रिक्स, ट्रिस्टन स्टब्स, ऑटनील बार्टमैन, जेराल्ड कोएत्जी, ब्योर्न फोर्टेन और तबरेज शम्सी को नहीं चुना गया है।

चयन संयोजक पैट्रिक मोरोने ने कहा, ''हमें कुछ कड़े फ़ैसले लेने पड़े लेकिन हमें लगता है कि हमने भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम चुनी है। हमने विश्व स्तर के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ बेस्ट युवाओं को भी टीम में रखा है।'' इस महीने एसए 20 में खेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी विश्व कप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज में हिस्सा लेंगे। विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का पहला मैच नौ फरवरी को कनाडा के खिलाफ होगा और उसके बाद ग्रुप स्टेज में उनका सामना अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और यूएई से होगा।

टी-20 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम इस प्रकार है:- एडन मारक्रम (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, टोनी डीजॉर्जी, डॉनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एन्गिडी, एनरिख नॉर्खिए, कगिसो रबाडा और जेसन स्मिथ।

सिडनी टेस्ट के बाद संन्यास लेंगे उस्मान ख्वाजा

सिडनी, 2 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख़्वाजा ने घोषणा की है कि वह सिडनी में एशेज सीरीज़ के पांचवें और आख़िरी मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। 39 साल के ख़्वाजा अपने आख़िरी टेस्ट में 87 मैच और 6206 रन के साथ उतरेंगे, जिसमें 16 शतक शामिल हैं।

ख़्वाजा ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के प्रेस रूम में अपने परिवार की मौज़ूदगी में कहा, ''मैं इस बारे में कुछ समय से सोच रहा था। इस सीरीज में आते वक़्त मेरे मन में यह बात थी कि यह मेरी आखिरी सीरीज हो सकती है। ''मैंने इस पर रेचल (पत्नी) से काफ़ी बात की थी और मुझे पता था कि यह एक बड़ा मौक़ा है। मैंने दरवाज़ा पूरी तरह बंद नहीं किया था क्योंकि मुझे पता था कि आगे खेलने की संभावना भी है। कोच ऐंड्रयू मैकडोनाल्ड आख़िरी समय तक सोच रहे थे कि मैं 2027 में भारत कैसे जा सकता हूं। मुझे ख़ुशी है कि मैं अपने शर्तों पर, सम्मान के साथ, उस मैदान पर संन्यास ले रहा हूं, जिससे मुझे प्यार है। लेकिन सीरीज की शुरुआत मेरे लिए काफ़ी कठिन रही। फिर एडिलेड टेस्ट के लिए शुरुआत में चुना नहीं जाना शायद मेरे लिए संकेत था कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।''

ख़्वाजा ने बताया कि उन्होंने पिछले दो सालों में कई बार संन्यास पर विचार किया था और पिछले साल भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के आसपास संन्यास करने को लेकर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के कोच मैकडोनाल्ड से भी बात की थी। उन्होंने कहा, ''मैंने उनसे कहा था कि अगर किसी भी समय आप चाहते हैं कि मैं संन्यास ले लूं, तो मैं तुरंत कर लूंगा। मुझे कोई समस्या नहीं है। मैं अपने लिए नहीं रुका हूं।

अर्जेंटीना ने यूनाइटेड कप में स्पेन को हराया

पर्थ, 2 जनवरी। अर्जेंटीना ने शुक्रवार को पर्थ में 2026 यूनाइटेड कप में स्पेन के खिलाफ सेबेस्टियन बेज और सोलाना सिएरा की सिंगल्स जीत की बदौलत पहली टीम जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 66 सिएरा ने ग्रुप ए में अपने देश के लिए जेसिका बोज़ास मानेइरो पर 6-4, 5-7, 6-0 से जीत हासिल की, जबकि बेज ने प्रतियोगिता के पहले मैच में जाउमे मुनार को 6-4, 6-4 से हराया। अर्जेंटीना तीन टूर्नामेंट में पहली बार ग्रुप-स्टेज से आगे बढ़ने की उम्मीद कर रहा है, और उसे अपनी पहली जीत में एटीपी रैंकिंग और डब्ल्यूटीए रैंकिंग में क्रमशः दूसरे सबसे ऊंचे और सबसे ऊंचे रैंक वाले खिलाड़ियों से मदद मिली। लेकिन सिएरा का हौसला खास तौर पर 2 घंटे और 2 मिनट तक चला।

ओएन दीक्षित मेमोरियल जिला बैडमिंटन में पदमजा ने जीते दो खिताब और दो फाइनल में पहुंची

जयपुर, 2 जनवरी। ओ एन दीक्षित विंटर जिला बैडमिंटन में आज पांच फाइनल खेले गए अंडर 11 बॉयज सिंगल्स में नैतिक बंसल ने फाइनल में लक्षित रेवार को 21 -16, 21- 13 से हरा कर खिताब जीता। अंडर 13 बॉयज सिंगल्स फाइनल में वेदहै जैन ने मुदित पांडे को लगभग 55 मिनट चले लंबे व कड़े संघर्ष पूर्ण तीन गेम में 21- 12 ,12-21 ,22 -20 से परास्त कर फाइनल जीता वही पदमजा ने आज दो फाइनल खेल और दोनों फाइनल मैं विजय प्राप्त की। उन्होंने अंदर 13 गर्ल्स सिंगल्स में पदमजा ने आराध्या बिश्नोई को 21-6 ,21-2 आसानी से परास्त किया तथा दूसरे फाइनलअंडर 17 गर्ल्स सिंगल्स में पदमजा ने अद्विता शर्मा को 21-10,21 -16 से परास्त कर खिताब जीता। अंडर 15 बॉयज सिंगल्स मे तेजेश्वर पूनिया ने 21-12, 21 -17 से निखिल नाथ को हराकर खिताब जीता। अंडर 15 गर्ल्स सिंगल्स में पदमजा और आराध्या ढींगरा मैं फाइनल खेला जाएगा वही अंदर 17 बॉयज सिंगल्स में भव्य अग्रवाल और सत्यम गुर्जर कल फाइनल खेलेंगे। बॉयज डबल्स अंदर 11 में बुराउद्दीन और लक्षित रेवार की जोड़ी तथा नैतिक बंसल शिव चौहान की जोड़ी फाइनल में पहुंची। अंडर 13 गर्ल्स डबल्स फाइनल में आराध्या बिश्नोई व सगुन टाँक की जोड़ी फाइनल में पहुंच गई है तथा गर्ल्स डबल्स 15 में आराध्या ढींगरा व पदमजा की जोड़ी फाइनल में पहुंची।

चोट के कारण हीथर वॉटसन ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगी

मेलबर्न, 2 जनवरी। ब्रिटेन की टेनिस खिलाड़ी हीथर वॉटसन चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगी। हीथर वॉटसन ने कहा है कि वह इस महीने होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा नहीं ले पाएंगी, लेकिन वह फरवरी के आखिर तक चोट से उबरकर वापसी कर लेंगी। 33 साल की वॉटसन अगस्त के आखिर से ग्लूट में टेंडन की समस्या के कारण प्रतिस्पर्धी टेनिस से बाहर हैं, यह उनके 17 साल के प्रोफेशनल करियर में पहली बड़ी चोट है। इस वजह से उनकी विश्व रैंकिंग 269 और ब्रिटिश रैंकिंग 9 हो गई है। उन्होंने आखिरी बार यूएस ओपन के क्वालिफाइंग राउंड के पहले राउंड में खेला था, जबकि एक जुलाई को विंबलडन में पहले राउंड में हार गई थीं। फ्लोरिडा से इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में, जहां वह विंटर ट्रेनिंग में हिस्सा ले रही हैं, वॉटसन ने कहा कि वह जल्द ही एक्शन में लौटने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने मकसद और टेनिस से मिलने वाली प्रतिदिन की चुनौती को बहुत मिस किया है। उन्होंने कहा कि मैं फिर से टूर पर वापस आकर मुकाबला करने का इंतजार नहीं कर सकती। उम्मीद है कि अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा, तो फरवरी के आखिर तक। इस साल ऑस्ट्रेलिया को मिस करने से मुझे बहुत दुख हुआ है, लेकिन इसने मेरे अंदर एक आग भी जगा दी है।

मोदी व योगी करेंगे 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबाल महाकुंभ का उद्घाटन

वाराणसी, 2 जनवरी। धर्म और संस्कृति की नगरी काशी अब खेल की दुनिया में नया इतिहास रचने को तैयार है। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चार जनवरी से 11 जनवरी तक 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का भव्य आयोजन होने जा रहा है। काशी के इतिहास में यह पहली बार है जब इतने बड़े स्तर की नेशनल चैंपियनशिप आयोजित हो रही है। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भौतिक रूप से उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। आयोजन समिति की उच्चस्तरीय बैठकों में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं महापौर अशोक कुमार तिवारी स्वयं व्यवस्थाओं की कमान संभालकर निगरानी कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने पार्षदों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाकर तैयारियों की समीक्षा की। आयोजन को भव्य रूप देने के लिए पार्षदों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र 'दयालु', भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरी, जगदीश तिवारी सहित अन्य लोग शामिल थे। दूसरी ओर, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल सहित नगर निगम, जिला एवं पुलिस प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने मौका मुआयना कर तैयारियों का जायजा लिया। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं महापौर की देखरेख में स्टेडियम को अभूतपूर्व रूप दिया जा रहा है।

इंग्लैंड सिडनी ग्राउंड पर आक्रामक क्रिकेट खेलेगा : जैक क्रोली

सिडनी, 2 जनवरी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने भरोसा दिलाया कि उनकी टीम एशेज सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजो के संयोजन की परवाह किए बिना आक्रामक क्रिकेट खेलना जारी रखेगी। क्रॉली ने शुक्रवार को कहा, ''जो भी खेले, मुझे लगता है कि यह हमारी टीम का मंत्र है।

राजधानी

राज्यपाल को लोकायुक्त का प्रतिवेदन प्रस्तुत

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे को शुक्रवार को यहां लोकायुक्त राजस्थान का 37वां वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। लोकायुक्त न्यायमूर्ति प्रताप कृष्ण लोहरा ने लोकभवन में बागडे से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने 37वां वार्षिक प्रतिवेदन (एक जनवरी से 31 दिसंबर 2025) प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बागडे से लोहरा ने लोक प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही से संबंधित विषयों पर चर्चा भी की। उन्होंने लोकायुक्त के स्तर पर लोक सेवकों की जनता के प्रति जवाबदेही से संबंधित किये गये कार्यों के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया।एल.आई.सी. ने कालातीत बीमा पॉलिसियां पुनः चालू करवाने का मौका दिया जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) ने कालातीत हो चुकी बीमा पॉलिसियों को पुनः चालू करने का अवसर ग्राहकों को दिया है। साथ ही विलंब शुल्क में भी 30 से 100 प्रतिशत तक की रियायत दी है। एल.आई.सी. की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि, 1 जनवरी से 2 मार्च तक व्यक्तिगत कालातीत (लेप्स) पॉलिसी के लिए एक विशेष पुनर्चलन अभियान शुरू किया है। सभी नॉन लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान पर विलंब शुल्क में छूट दी गई है।

मजबूत डिजिटल एवं डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में काम कर रही भजनलाल सरकार

प्रदेश में 4 से 6 जनवरी तक आयोजित होगा राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **प्रदेश में कुशल रोजगार के अवसर होंगे सृजित, अर्थव्यवस्था होगी सशक्त : मुख्यमंत्री**

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी एवं आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस सहित नए उभरते हुए क्षेत्रों में तेजी से अग्रसर हो रहा है। राज्य सरकार पिछले 2 वर्षों में एआई, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक चेन, क्लाउड कम्प्यूटिंग, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, एक्सटेंडेड रिएलिटी जैसे क्षेत्रों के लिए बेहतर इकोसिस्टम तैयार करने के उद्देश्य से 4 नई नीतियां लेकर आई है। राजस्थान में मजबूत डिजिटल एवं डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए अब सरकार 4 से 6 जनवरी तक राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 का आयोजन करने जा रही है।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन में योगदान देते हुए प्रदेश को आईटी-आईटीईएस हब बनाने के लिए लाई गई राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025, राजस्थान ।टळब्.ग्त् नीति-2024, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 और राजस्थान एआई एमएल पॉलिसी-2026 से प्रदेश में स्थानीय प्रतिभाओं को रोजगार के अवसर मिलने के साथ ही अर्थव्यवस्था को और तेज गति मिलेगी।

जयपुर स्थित भामाशाह डेटा सेंटर 800 रैक वाला स्टेट ऑफ आर्ट टियर-4 डेटा सेंटर है। यह सरकारी स्वामित्व वाला देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर है। डेटा की बढ़ती उपयोगिता और डेटा स्टोरेज पर बढ़ती निर्भरता को देखते हुए अब राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 का लक्ष्य प्रदेश में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित कर राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र का प्रमुख केन्द्र बनाना है। यह नीति डेटा सेंटर्स की गतिविधियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रभावशाली बनाएगी। साथ ही, राज्य में डेटा प्रबंधन, प्रदर्शन और सुरक्षा के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने से संबंधित दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने में भी मदद करेगी।

इस नीति के तहत डेटा सेंटर सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं, जिनमें 10 वर्षों तक 10-20 करोड़ रुपये वार्षिक एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, 100 करोड़ से अधिक निवेश करने वाले पहले 3 डेटा सेंटर्स को 25 प्रतिशत अतिरिक्त सनराइज इंसेंटिव शामिल हैं। साथ ही, 5 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, बैंकिंग, ट्रांसमिशन व व्हीलिंग शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, भूमि संबंधी फ्लेक्सिबल भुगतान सुविधा, स्टांप ड्यूटी, भू-रूपांतरण व विद्युत शुल्क में छूट, तथा 10 करोड़ रुपए तक बाह्य विकास शुल्क से छूट के भी प्रावधान किए गए हैं।

दिल्ली से नजदीक होने के कारण आईटी-आईटीइएस क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए जयपुर एक आदर्श स्थान साबित हो सकता है। जीसीसी स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 लेकर आई है। यह नीति वर्ष 2030 तक प्रदेश में 200 से अधिक जीसीसी स्थापित करने, 1.50 लाख रोजगार सृजित करने के साथ भारत के 100 अरब डॉलर के जीसीसी बाजार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लक्ष्य पर आधारित है।

एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्स्टेंडेड रिएलिटी के क्षेत्र में स्थानीय प्रतिभाओं एवं संसाधनों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार राजस्थान ए वी जी सी एक्स आर नीति-2024 लेकर आई है। इस नीति में राज्य में बनने वाली एनिमेशन फिल्मों, गेम्स एवं कॉमिक्स को उत्पादन अनुदान देने का प्रावधान किया गया है। स्थानीय संस्कृति और सामग्री निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करने वाले स्टार्ट अप्स व उद्यमों को अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा।

इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्सेलेरेटर स्थापित किए जाएंगे। ये स्टूडियो कोडिंग, वीएफएक्स लैब एवं एडवांस्ड कम्प्यूटिंग सुविधाओं से लैस होंगे। इससे युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन भी मिलेगा और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में करीब 35 हजार कन्याएं हुई लाभांवित

जयपुर (कासं)। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की 'मुख्यमंत्री कन्यादान योजना' प्रदेश की हजारों बालिकाओं के जीवन में खुशियों का उजाला भर रही है और इसके तहत लगभग 35 हजार कन्याएं लाभांवित हुई हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि 'डिजिटल सुशासन' के माध्यम से पारदर्शी व्यवस्था की मिसाल भी पेश कर रही है और विभाग वर्ष 2023-24 से अब तक लगभग 142.62 करोड़ रुपये व्यय कर 34 हजार 704 कन्याओं को लाभान्वित कर चुका है।

यह योजना बालिकाओं की शिक्षा को सीधे प्रोत्साहन राशि से जोड़ती है। सरकार की मंशा है कि 'बेटी पढ़ेगी, तभी आगे बढ़ेगी' योजना के तहत अनुसूचित जाति-जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के बीपीएल परिवारों को विवाह पर 31 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसी तरह शेष सभी बीपीएल परिवार, अंत्योदय परिवार, आस्था कार्डधारी, विधवा महिलाएं, विशेष योग्यजन, पालनहार योजनान्तर्गत लाभान्वित कन्याओं और महिला खिलाड़ियों को 21 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है।

यही नहीं विभाग द्वारा बेटियों को शिक्षा के आधार पर अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी देय है। यदि बेटी 10वीं पास है, तो 10 हजार रुपये और यदि स्नातक है, तो 20 हजार रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी मिलती है।

योजना का लाभ लेने के लिए कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए और एक परिवार की अधिकतम दो कन्याओं को यह लाभ देय है।

एलिवेटेड रोड और आरओबी के नीचे सिग्नल फ्री ट्रैफिक किया जाए : सिद्धार्थ महाजन

जेडीसी ने इंजीनियर्स को कम व्यस्तम चौराहों-तिराहों पर ट्रैफिक सिग्नलस के स्थान पर रोटरी निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने शुक्रवार को इंजीनियरिंग शाखा के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर शहर में चल रहे तमाम निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की। उन्होंने राजधानी जयपुर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए एलिवेटेड रोड बनाने और आर.ओ.बी. के नीचे सिग्नल फ्री ट्रैफिक करने पर विशेष जोर दिया।

आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने अभियांत्रिकी निदेशक देवेन्द्र गुप्ता और अन्य इंजीनियर्स से तमाम प्रोजेक्ट्स पर चर्चा करते हुए अब तक किए गए कार्यों और शेष बचे हुए कामों पर चर्चा की। उन्होंने सीबीआई फाटक आरओबी, सालीग्रामपुरा आरओबी, त्रिवेणी नगर से गुर्जर की थड़ी तक एलिवेटेड रोड, सिविल लाइन्स आरओबी और सांगानेर एलिवेटेड रोड सहित अन्य निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स के बारे में बिंदुवार जानकारी ली।

साथ ही इन प्रोजेक्ट्स में आ रही विभिन्न समस्याओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए निस्तारण के निर्देश भी दिए।

जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने कहा कि, एलिवेटेड रोड और आरओबी के ऊपर तो आमजन को निर्बाध यातायात मिल रहा है, 70-80 प्रतिशत ट्रैफिक भी ऊपर से ही गुजर रहा है। परन्तु इनके नीचे कम ट्रैफिक होने के बावजूद भी विभिन्न स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल है, इस कारण यातायात में अनावश्यक रूकावट उत्पन्न हो रही है।

भारत की विकास अवधारणा आत्मकेंद्रित नहीं, बल्कि समाज केन्द्रिंत रही : डॉ. कृष्ण गोपाल

उन्होंने वर्तमान विकास मॉडल पर चिंता जताते हुए कहा कि ''गरीबी देश के लिए गंभीर और चिंता जनक है, आर्थिक प्रगति के बावजूद समाज का बड़ा वर्ग सीमित आय और संसाधनों में जीवन यापन कर रहा है।''

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि विकास का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं है। वास्तविक विकास वही है, जिसमें मनुष्य, समाज, परिवार और प्रकृति का संतुलित उत्थान हो। भारत की विकास अवधारणा आत्मकेंद्रित नहीं, बल्कि समाज केंद्रित रही है और आज के वैश्विक परिदृश्य में यही दृष्टि सबसे अधिक प्रासंगिक है। डॉ. कृष्ण गोपाल शुक्रवार को पाथेय कण संस्थान में आयोजित पूज्य रज्जु भैया स्मृति व्याख्यानमाला में 'स्व' का बोध और विकास की अवधारणा विषय पर संबोधित कर रहे थे।

डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही वैभव सम्पन्न रहा है लेकिन उस वैभव का आधार केवल धन नहीं था। यह धारणा गलत है कि भारत हमेशा से गरीब रहा है; वास्तविकता यह है कि भारत ने लंबे समय तक वैश्विक आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में अग्रणी भूमिका निभाई।

उन्होंने वर्तमान विकास मॉडल पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गरीबी आज भी देश के लिए एक गंभीर और चिंता जनक समस्या बनी हुई है। आर्थिक प्रगति के बावजूद समाज का बड़ा वर्ग सीमित आय और संसाधनों में जीवन यापन कर रहा है। विकास का लाभ कुछ गिने-चुने शहरों और क्षेत्रों तक सीमित होना गंभीर असंतुलन की ओर संकेत करता है।

डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि केंद्रीकृत विकास मॉडल भारत जैसे देश के लिए उपयुक्त नहीं है।

विकास का उद्देश्य केवल आर्थिक आंकडे बढ़ाना नहीं, बल्कि ऐसा समाज बनाना होना चाहिए, जहां शिक्षा, संस्कार, रोजगार और जीवन मूल्य समान रूप से विकसित हों। उन्होंने कहा कि विकेंद्रीकृत, समाज केंद्रित और मूल्य आधारित विकास ही भारत और विश्व के लिए स्थायी समाधान प्रस्तुत कर सकता है।

जन आकांक्षाओं पर आधारित होगा, राज्य का आगामी बजट- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जोधपुर संभाग के सभी विधायकों व प्रत्याशियों से विधानसभा वार बजटपूर्व संवाद किया

जयपुर, 2 जनवरी। नए वर्ष की शुरुआत में ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के आगामी बजट को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। बजट पूर्व चर्चा के तहत मुख्यमंत्री ने विधायकों एवं प्रत्याशियों से सीधा संवाद स्थापित किया, ताकि बजट को सर्वस्पर्शी, समावेशी और परिणामोन्मुखी बनाया जा सके। शुक्रवार को मुख्यमंत्री शर्मा ने जोधपुर संभाग के सभी विधायकों एवं प्रत्याशियों के साथ जिलेवार एवं विधानसभावार संवाद किया। इस दौरान प्रत्येक क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, भविष्य की विकास योजनाओं और स्थानीय जनाकांक्षाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के संतुलित विकास को सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि जनभावनाओं को समझकर ही एक प्रभावी और जनहितकारी बजट तैयार किया जा सकता है। पूर्ववर्ती सरकारों के विपरीत वर्तमान सरकार ने अपने पहले दो वर्षों के बजट में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों को समान रूप से विकास की सौगात दी है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज न होकर आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला माध्यम बने। उन्होंने कहा कि जनभावनाओं को गहराई से समझकर ही एक प्रभावी और जनहितकारी बजट तैयार किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकारों के विपरीत, वर्तमान सरकार ने अपने पहले दो वर्षों के बजट में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों को समान रूप से विकास की सौगात दी है।

आगामी बजट में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, युवा, अन्नदाता और महिला के कल्याण के मूल मंत्र को केंद्र में रखते हुए विकास का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया जाएगा।

खुंखार नक्सली बारसे देवा ने आत्म समर्पण किया

सुकमा, 02 जनवरी। छत्तीसगढ़ में माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। कुख्यात नक्सली बारसे देवा ने सरेंडर कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, माओवादी संगठन के बड़े नाम बारसे देवा ने अपने लगभग 15 साथियों के साथ तेलंगाना में सरेंडर किया है। बारसे देवा 15 माओवादियों के साथ नेशनल पार्क क्षेत्र से निकलकर तेलंगाना पहुंचा था। जानकारी के अनुसार, उसे एनकाउंटर का डर था जिसके बाद उसने सरेंडर करने का फैसला किया।

- **तेलंगाना पुलिस ने अभी 25 लाख रु. के इनामी इस नक्सली व उसके साथियों के सरैंडर की पुष्टि नहीं की है**

उसने तेलंगाना डीजीपी के सामने सरेंडर किया है। बारसे देवा नक्सली कमांडर हिड़मा का करीबी था। हिड़मा के मारे जाने के बाद से ही बारसे देवा के सरेंडर के दावे किए जा रहे हैं। बारसे देवा के पहले जगदलपुर में भी सरेंडर की खबर आई है। बारसे देवा माओवादी पार्टी की सैन्य टुकड़ियों (सशस्त्र बलों) की गतिविधियों को संभाल रहा था।

पाकिस्तान से ड्रोन द्वारा भेजी 20 करोड़ रूपए की हेरोइन पकड़ी

क्रैश हुए ड्रोन तथा हेरोइन के साथ तीन तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आए

श्रीगंगानगर, (निसं), 2 जनवरी। पाकिस्तानी तस्करों की तरफ से लगातार इंटरनेशनल बॉर्डर पर राजस्थान में ड्रग्स भेजी जा रही है। श्रीगंगानगर में नए साल (1 जनवरी) की रात ड्रोन के जरिए 20 करोड़ की हेरोइन भेजी गई। ड्रग्स को गिराते समय ड्रोन क्रैश हो गया। 4.88 किलो हेरोइन और ड्रोन को ले जा रहे तीन तस्करों को रावला थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

- **गिरफ्तार तस्करों के साथ गहन पूछताछ में पुलिस को तस्करी नेटवर्क तथा सीमा पार सम्पर्कों के बारे में खुलासे की आशा है।**

श्रीगंगानगर एसपी डॉ. अमृता दुहन ने शुक्रवार को घड़साना पुलिस थाने में हेरोइन तस्करी का खुलासा किया है। एसपी ने बताया, हेरोइन की खेप सीमा पार पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजी गई थी। जिस स्थान पर हेरोइन गिराई गई, वहीं ड्रोन भी क्रैश हो गया था। रावला थाना पुलिस टीम 1 जनवरी की रात को गश्त पर थी। इसी दौरान थाना क्षेत्र के 15 पुलिया के पास नहर किनारे तीन युवक संदिग्ध हालत में दिखाई दिए। उनके पास एक प्लास्टिक का कट्टा था। पुलिस वाहन को देखकर तीनों भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया।

रावला थाना प्रभारी बलवंत कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान तीन युवक काफी डरे हुए लग रहे थे। तलाशी में 4 किलो 88 ग्राम हेरोइन और एक ड्रोन बरामद हुआ। कार्रवाई करते हुए जगनदीप सिंह उर्फ लब्बू सिंह (26), निवासी चक 10 (अनूपगढ़), नीटू सिंह उर्फ रवनीत सिंह (21), निवासी डबली राठान (हनुमानगढ़), सतपाल सिंह (27), निवासी चक 04 एसटीआर (घड़साना) को गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ के सहयोग से आसपास के खेतों, रास्तों और संभावित ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, जिससे तस्करी नेटवर्क और सीमा पार संपर्कों को लेकर बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन की बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सीमा क्षेत्र में ड्रोन के जरिए हो रही तस्करी के बढ़ ते मामलों को देखते हुए निगरानी और सख्त कर दी गई है।

इंदौर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दुखद घटना के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उपरांत प्रदेश के अन्य स्थानों के लिए भी हम सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिए गये हैं।

'अगर आपके यहां आतंकवाद है तो आपके पास अच्छा पड़ोसी नहीं है'

विदेश मंत्री जयशंकर ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना उसे जमकर खरी खोटी सुनाई

चेन्नई, 02 जनवरी। आतंकवाद को लेकर एक बार फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की नीति स्पष्ट की है। आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि भारत उन पड़ोसियों से अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार रखता है, जो आतंकवाद का समर्थन करते हुए नई दिल्ली से सहयोग की उम्मीद करते हैं। उन्होंने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए साफ कहा कि अच्छे पड़ोसी-संबंध और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते।

- **विदेश मंत्री जयशंकर ने आई आई टी मद्रास में आयोजित "फायर साइड चैट" कार्यक्रम में बतौर अतिथि बोलते हुए कहा, हमें हमारे बुरे पड़ोसियों से अपने लोगों की रक्षा का पूरा अधिकार है।**

विदेश मंत्री एस जयशंकर तमिलनाडु के आईआईटी मद्रास में आयोजित "फायरसाइड चैट" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए चेन्नई पहुंचे। कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्होंने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई।

भारत की पड़ोस नीति के बारे में एस. जयशंकर ने कहा, मैं दो दिन पहले बांग्लादेश में था। हमें कई तरह से बहुत सारे पड़ोसी मिले हैं। अगर आपका कोई पड़ोसी अच्छा है या नुकसान नहीं पहुंचा रहा है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके साथ संबंध बनाते हैं। भारत ऐसे पड़ोसी की मदद करता है, स्वाभाविक रूप से। हमारे ज्यादातर पड़ोसियों को वैक्सीन की पहली खेप भारत से मिली।

आतंकवाद पर बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा, जब बात बुरे पड़ोसियों की आती है तो वे आतंकवाद पर अड़े रहते हैं। इसलिए हमें अपने लोगों को आतंकवादियों से बचाने का हक है। हम अपनी रक्षा के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, करते हैं।

इंदौर त्रासदी पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निकलने से पहले अधिकारियों को सूचना देनी चाहिए थी। इससे पहले उन्होंने राहुल गांधी पर, सार्वजनिक रूप से अपनी बहन को चूमने और "संस्कृति की कमी" का आरोप लगाने पर भी नाराज़गी झेली थी। अगस्त 2025 में उन्होंने 1947 में भारत की आज़ादी को कटी-फटी आज़ादी बताया था और कहा था कि वह दिन आएगा, जब भारतीय तिरंगा इस्लामाबाद में फहराया जाएगा और अखंड भारत का सपना साकार होगा। सन् 2023 में उन्होंने यह कहकर विवाद खड़ा किया था कि खराब और भड़कीले कपड़े पहनने वाली लड़कियाँ शूर्पणखा जैसी लगती हैं। जून 2019 में उनके बेटे आकाश पर इंदौर नगर निगम के एक अधिकारी को बल्ले से मारने का आरोप लगा था, जिससे वे भी विवादों में आ गए थे। हालांकि 2024 में अदालत में अधिकारी के यह कहने के बाद कि उसे यक़ीन नहीं है कि उसे किसने मारा था, आकाश को मामले में बरी कर दिया गया।

मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलेंगी ममता जी

कोलकाता, 02 जनवरी। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में चल रही चुनावी प्रक्रिया के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर अपनी आपत्तियां औपचारिक रूप से दर्ज कराने के लिए नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेंगी।

- **ज्ञानेश कुमार से मुलाकात कर वे एस आई आर पर अपनी आपत्तियां औपचारिक रूप से दर्ज कराएंगी।**

अभिषेक आज बारुईपुर में 2026 की पहली राजनीतिक जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने दिल्ली में चुनाव आयुक्तों के साथ हुए टकराव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अनुचित व्यवहार किया था, जिसके कारण उन्हें अधिकारी को एक नामित अधिकारी और एक निर्वाचित प्रतिनिधि के बीच का अंतर याद दिलाना पड़ा। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि चुनावों से पहले वे राज्य भर में इसी तरह की कई रैलियों को संबोधित करेंगे।

'इंदौर में पानी नहीं ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा'

इंदौर त्रासदी पर राहुल गांधी का मध्यप्रदेश सरकार पर तीखा हमला

नयी दिल्ली, 02 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित जल से नागरिकों की मृत्यु तथा कई अन्य के बीमार होने की खबरों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद मोदी इस पर मौन हैं।

- **राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, इंदौर के लोगों ने बार-बार गंदे और बदबूदार पानी की शिकायत की पर सुनवाई क्यों नहीं हुई, सीवर की गंदगी पानी में कैसे मिली, ये फोकट के सवाल नहीं जवाबदेही की मांग हैं।**
- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इंदौर त्रासदी के लिए मध्यप्रदेश सरकार की आलोचना की और कहा, स्वच्छता में लगातार 8 बार टॉप पर रहा इंदौर भाजपा के निकम्मेपन के कारण साफ पेयजल को मोहताज हो गया है।**

कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि इंदौर में वही जल दूषित हुआ है, जिसको लेकर मोदी सरकार स्वच्छ जल और स्वच्छ भारत का ढ ोल पीटती है और सबके लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता का दावा करती है, लेकिन भाजपा सरकार में लोग दूषित जल के रूप में जहर पीने को मजबूर हैं और देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा पहने इंदौर में लोग गंदे पानी के सेवन से मर रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढि ंढ ोरा पीटने वाले मोदी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। यह वही इंदौर शहर है, जिसने केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर होने का ख़िताब जीता है। ये शर्मनाक बात है कि यहाँ पर भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ़ पानी के लिए मोहताज हैं।

गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा "इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया।"

उन्होंने सवाल किया " इंदौर के लोगों ने बार-बार गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति की शिकायत की, फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई। सीवर की गंदगी पीने के पानी में कैसे मिली। समय रहते जल आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई और जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। ये फोकट के सवाल नहीं - ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है।"

कांग्रेस नेता ने कहा "मध्य प्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है। कहीं खांसी के सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर की गंदगी युक्त पानी पीकर मौतें। जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।"

महाराष्ट्र निगम चुनाव में महायुति को 66 सीटें निर्विरोध

मुंबई, 02 जनवरी। महाराष्ट्र में लंबे समय से लंबित नगर निगम चुनावों में मतदान शुरू होने से पहले ही सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने बड़ा लाभ हासिल कर लिया है। नामांकन वापसी की अंतिम तिथि शुक्रवार होने के बाद, भाजपा और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के कुल 66 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए, जबकि अजीत पवार की एनसीपी को दो सीटें मिलीं। इस तरह महायुति ने कुल 68 सीटों पर बिना वोटिंग के जीत दर्ज की।

सबसे ज्यादा निर्विरोध जीत मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के महत्वपूर्ण कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) में हुई, जहां महायुति के 21 उम्मीदवार निर्वाचित हुए। इनमें भाजपा के 15 और शिवसेना के 6 उम्मीदवार शामिल हैं। यह क्षेत्र राजनीतिक रूप से संवेदनशील है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह क्षेत्र ठाणे से सटा हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ये निर्विरोध जीतें राज्य में महायुति गठबंधन के लिए मजबूती का संकेत हैं, खासकर हाल ही में संपन्न नगर परिषद चुनावों में मिली भारी जीत के बाद। इससे गठबंधन को बाकी सीटों पर प्रचार के लिए ज्यादा समय और संसाधन मिलेंगे। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए यह शुरुआती झटका माना जा रहा है।

तीन उच्च न्यायालयों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बंबई उच्च न्यायालय की न्यायाधीश हैं, को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति जस्टिस सोमेन सेन के स्थानांतरण के बाद होगी।

जस्टिस संगम कुमार साहू, जो उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं, को पदोन्नत कर पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने 18 दिसंबर को प्रारंभ में पदान्नति और स्थानांतरण के लिए छः नामों की सिफारिश की थी। शुक्रवार की अधिसूचना के बाद, तीन न्यायाधीशों की पदोन्नति केन्द्र सरकार के पास लंबित है: जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता (इलाहाबाद उच्च न्यायालय) को उत्तराखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। यह पद 9 जनवरी को वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के रिटायर होने के बाद खाली होगा।

जस्टिस एमएस सोनक (बंबई उच्च न्यायालय) को झारखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। यह पद 8 जनवरी को खाली होगा।

कोलीजियम ने जस्टिस ए मुहम्मद मुस्ताक (केरल उच्च न्यायालय) को सिक्किम उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।

"गिग" कर्मचारियों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जो वर्कर एक से अधिक एग्रीगेटर से जुड़े हैं, जैसे फ़ूड डिलीवरी या राइड-हेलिंग सर्विस प्रोवाइडर्स, उनके लिए एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 120 दिन काम करना अनिवार्य होगा।

वर्कर को उस दिन से एग्रीगेटर से जुड़ा माना जाएगा, जिस दिन से वह कमाई शुरू करता है, चाहे राशि कितनी भी हो। जिस भी कैलेंडर दिन वह कमाई करेगा, वह दिन पात्रता में गिना जाएगा।

अगर कोई वर्कर एक ही दिन में कई एग्रीगेटर के साथ काम करता है, तो हर एग्रीगेटर के लिए उसे अलग-अलग दिन माना जाएगा। यानी एक दिन में तीन एग्रीगेटर के साथ काम करने पर तीन दिन गिने जाएँगे। 16 वर्ष से अधिक आयु के गिग वर्कर्स को आधार नंबर और अन्य आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ पंजीकरण कराना होगा।

एग्रीगेटर को केन्द्रीय पोर्टल पर गिग वर्कर्स और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स का विवरण साझा करना होगा, ताकि उनका यूनिवर्सल अकाउंट नंबर या यूनिक आईडी बनाई जा सके।

हर पात्र और पंजीकृत वर्कर को डिजिटल या भौतिक पहचान पत्र दिया जाएगा, जिस पर उसका फोटोग्राफ तथा अन्य विवरण होगा। यह कार्ड निर्धारित केन्द्रीय पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकेगा।

केन्द्र सरकार एक अधिकारी या एजेंसी नियुक्त करेगी, जो एग्रीगेटर से योगदान राशि एकत्र करने और बढ़ाने की जिम्मेदारी निभाएगी। यह राशि गिग वर्कर्स के लिए बनाए गए अलग खाते में "सामाजिक सुरक्षा कोष" के रूप में रखी जाएगी।

कोई भी पंजीकृत वर्कर 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर, या पिछले वित्तीय वर्ष में, एक ही एग्रीगेटर से 90 दिन से कम, या कई एग्रीगेटर के मामले में 120 दिन से कम अवधि तक जुड़े रहने पर, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ के लिए अपात्र हो जाएगा।

केन्द्र सरकार असंगठित क्षेत्र के लिए बने "राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड" में अलग-अलग श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले गिग वर्कर्स और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स के पाँच सदस्यों को रोटेशन के आधार पर नामित करेगी।

बल्लारी हिंसा, भाजपा विधायक पर एफ आई आर

बंगलूरू, 02 जनवरी। कर्नाटक के बल्लारी में गुरुवार को हुई हिंसा के मामले में भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी समेत, 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, हिंसा के बाद बल्लारी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। दरअसल, बैनर लगाने को लेकर कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी और भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के समर्थक आपस में भिड़ गए थे। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। हालात अभी शांतिपूर्ण हैं और सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं और यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी अवांछित घटना न हो। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति हथियार लहरा रहा है और हवाई फायरिंग कर रहा है। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री और भाजपा नेता श्रीरामुलु, शेखर, अलिखन और सोमशेखर रेड्डी समेत, 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के गृह मंत्री अमित शाह पिछले कुछ दिनों से बंगाल में डेरा डाले हुए हैं। भाजपा राज्य इकाई ने पार्टी की छवि को लोगों के बीच प्रस्तुत करने के लिए प्रयास किए थे। हर जगह भाजपा के झंडे और पोस्टर लगाए गए थे।

ममता बनर्जी ने भाजपा के जल्द से जल्द भाजपा के झंडे और पोस्टरों को हटाने का निर्देश अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और नगरपालिका आदि को दिया था।

इस संवाददाता ने खुद देखा कि बंगाल में भाजपा के निशान बेहद प्रभावी तरीके से हटाए जा रहे थे। कोलकाता के न्यू टाउन क्षेत्र में इस संवाददाता ने एक पार्टी कार्यकर्ता को भाजपा की प्रचार सामग्री चोरी छुपे हटाते हुए पकड़ा।

जब उससे पूछा गया कि वह यह क्यों कर रहा था, तो उसने बताया कि पश्चिम बंगाल हाउसिंग डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन और एनकेडीए ने यह सब हटाने का आदेश दिया था। वह भाजपा का झंडा हाथ में लिए हुए था और अमित शाह और भाजपा के राज्य अध्यक्ष की तस्वीर वाले एक होर्डिंग की तरफ जा रहा था। ममता बनर्जी सीमा पार हो रही इन जघन्य घटनाओं पर लीपापोती करने और ध्यान भटकाने की कितनी भी कोशिश करें, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा भारत में तीव्र गुस्सा पैदा कर रही है, न केवल बंगाल में, बल्कि पूरे देश में।

- **तीसरी बात यह है कि देश के अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री व नेता बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या व अत्याचार के खिलाफ काफी मुखरित हुए हैं। पर, ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर पूर्ण चुप्पी साधी हुई है।**

यह गुस्सा भारत में बढ़ रहा है और राजनीतिक नेता, खासकर उत्तर प्रदेश के नेता, हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन अत्याचारों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। इसके विपरीत, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन घटनाओं पर अपनी चुप्पी बनाए हुए हैं और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ बेमतलब की आलोचना कर रही हैं। उन्होंने शाह को दुशासन की संज्ञा दी और महाभारत के कुछ अंश कहे।

उन्होंने यहां तक कहा कि शाह को कोलकाता और राज्य के अन्य हिस्सों में पार्टी बैठकों में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। यदि वे चाहतीं, तो उन्हें होटल से बाहर निकलने और राजनीतिक बैठकें करने से रोक सकती थीं। उनके पुलिस बल ने उन्हें घेर लिया होता और उनके कार्यक्रमों को रद्द कर दिया होता।

ममता ने कहा, ऐसा करने की बजाय उन्होंने शाह के प्रति शिष्टाचार दिखाया। ममता बनर्जी के बयानों पर टिप्पणी करते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता और त्रिपुरा के पूर्व गवर्नर तथागत रॉय ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां एक राज्य के मुख्यमंत्री जैसे उच्च पदाधिकारी के लिए निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि केवल एक अशिक्षित व्यक्ति ही ऐसी बात कर सकता है

तथागत रॉय ने कहा कि यहां तक कि राज्य पुलिस भी केन्द्रीय गृह मंत्री की राज्य में गतिविधियों पर रोक लगाने का आदेश नहीं मान सकती है। सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वास्तव में केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं।

तथागत रॉय ने ममता बनर्जी को उच्च पद के लिए अनुकूल नहीं बताया और कहा कि वे जानती हैं कि उनका समय अब खत्म हो चुका है। आगामी चुनाव इसका फैसला करेंगे।

हालांकि, ममता बनर्जी अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए आखिरी कोशिश करेंगी। सत्ता पाने की इस जिद में वे निश्चित रूप से बहुत प्रतिशोधी और हिंसक होंगी।

"एक्स" को सरकार ने नोटिस दिया

नई दिल्ली, 02 जनवरी। केन्द्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सख्त नोटिस जारी किया है। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी, एक्स से जुड़े इस मामले में भारत सरकार ने कड़े निर्देश देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल किए जा रहे अश्लील और गैरकानूनी कंटेंट को हटाने को कहा है। दो जनवरी को जारी इस आदेश में कहा गया है कि एक्स के एआई एप ग्रोक का इस्तेमाल कर बनाए गए कंटेंट तुरंत हटाने होंगे। ऐसा न करने पर कंपनी को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

एक्स पर लगे आरोपों का संज्ञान लेते हुए सरकार ने भारत में एक्स के मुख्य अनुपालन अधिकारी को नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि एक्स वैधानिक रूप से उचित दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है।

ऐसे सलाहकारों से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टालिन से प्रवीण चक्रवर्ती के लिए एक सीट देने का अनुरोध किया था, लेकिन द्रमुक नेता ने इसे ठुकरा दिया था।

इसके पीछे एक कहानी है। प्रवीण का द्रमुक में एक करीबी दोस्त था, जो मंत्री था। एक दिन, एक व्यक्तिगत डिनर के दौरान, प्रवीण ने मंत्री की बातचीत रिकॉर्ड की, जिसमें वह अपने नेतृत्व का अपमान कर रहा था। यह रिकॉर्डिंग सार्वजनिक कर दी गई और मंत्री को हटा दिया गया।

तब से मुख्यमंत्री स्टालिन प्रवीण चक्रवर्ती के साथ किसी भी प्रकार का संबंध रखने के लिए तैयार नहीं हैं, जो कांग्रेस के डेटा एक्सपर्ट हैं।

हाल ही में उन्होंने एक बयान जारी किया, जिसमें तमिलनाडु के कर्ज़ की तुलना भाजपा के उत्तर प्रदेश के कर्ज़ से की, जिसने द्रमुक और कांग्रेस में हलचल मचा दी, पर भाजपा को खुश कर दिया। कांग्रेस सांसद ज्योतिमणी, जो राहुल गांधी की पदयात्रा के बाद उनके बेहद करीब मानी जाती हैं, ने इसका जवाब दिया और बहुत जोरदार प्रतिक्रिया दी।

तमिलनाडु कांग्रेस में अंदरूनी उथल-पुथल को दर्शाते हुए, करूर की कांग्रेसी सांसद ज्योतिमणी ने ट्वीट किया, "तमिलनाडु कांग्रेस में अनियंत्रित तरीके से लगातार चल रहा आंतरिक संघर्ष बेहद निराशाजनक है। हम राहुल गांधी के अथक परिश्रम और अद्वितीय बलिदानों के साथ विश्वासघात नहीं कर सकते।"

सूत्रों के अनुसार, द्रमुक के साथ गठबंधन फिलहाल कायम है। कांग्रेस द्वारा गठबंधन के विभिन्न पहलुओं को लेकर एक समिति बनाई गई है।

अब कांग्रेस चाहती है कि यदि वे सत्ता में आते हैं तो वे सरकार का हिस्सा बनें, लेकिन दिल्ली से अपनी राजनीति चलाने वाले कुछ नेता, जैसे पी. चिदंबरम इसका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता यह कह रहे हैं कि पार्टी सरकार का हिस्सा बनने से लाभ उठा सकती है, लेकिन अब तक इस पर कोई आम सहमति नहीं बन पाई है। लेकिन कुछ नेता, जिनका नाम ज्योतिमणी ने नहीं लिया है, कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगी के बीच समस्याएं उत्पन्न करने में पूरी ताकत लगा रहे हैं।

एक सप्ताह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होने बताया कि श्रद्धालुओं की यह संख्या केवल वृंदावन तक सीमित नहीं है, बल्कि बरसाना के श्री राधा रानी मंदिर में भारी भीड़ देखी गई। वहीं, गोवर्धन दानघाटी मन्दिर, मुखारविन्द मन्दिर, राधाकुंड के साथ, पूरा सप्तकोसी परिक्रमा मार्ग भक्तों से पटा रहा। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शनों के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। बलदेव व गोकुल दाऊ जी मंदिर और अन्य सिद्ध पीठों पर भी रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्पाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908